सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–111 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 11 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

"सभी अनुभवों का अपने जीवन में स्वागत कीजिए, पता नहीं कौन सा अनुभव आपकी जिंदगी बदल दे...!!"
अज्ञात...

प्रधानमंत्री पोर्टल की शिकायत बिना जांच 'निराकृत', फर्म्स–संस्थाएं विभाग पर गंभीर आरोप

9 महीने बाद जांच अधिकारी नियुक्त, 120 दिन में भी रिपोर्ट नहीं; ED-EOW से जांच की मांग

नरेन्द्र डाकलिया / नवा रायपुर–राजनांदगांव

CPGRAMS पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के त्वरित निराकरण के केंद्र सरकार के दावे को छत्तीसगढ़ के 'कार्यालय रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं' ने कटघरे में खड़ा कर दिया है। राजनांदगांव के नरेंद्र कुमार जैन की शिकायत पर विभाग की सुस्ती और "जांच के नाम पर खानापूर्ति" ने शासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

क्या है मामला

नरेंद्र कुमार जैन ने 'श्री देव आनंद जैन शिक्षण संघ, राजनांदगांव' में वित्तीय अनियमितताओं, फर्जी सदस्य सूची और छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 की धारा 27 व 38(2) के उल्लंघन की शिकायत प्रधानमंत्री पोर्टल पर दर्ज की थी। पंजीकरण संख्या: PMOPG/D/2025/0056397। आरोप है कि संस्था के पदाधिकारी विभाग को गलत जानकारी दे रहे हैं और अधिकारी उन्हें संरक्षण दे रहे हैं।

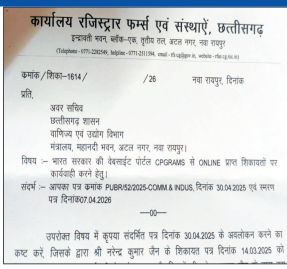
कार्यालय रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाऐं, छत्तीसगढ़
इन्द्रावती भवन, ब्लॉक–एक, तृतीय तल, अटल नगर, नवा रायपुर
(Telephone - 0771-2282549, helpline - 0771-2511594, email - rfs.cg@gov.in, website - rfas.cg.nic.in)

क्रमांक / शिका–1614 / /26 नवा रायपुर, दिनांक

प्रति,
अवर सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
वाणिज्य एवं उद्योग विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर।

विषय :– भारत सरकार की वेबसाईट पोर्टल CPGRAMS से ONLINE प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करने हेतु।

संदर्भ :– आपका पत्र क्रमांक PUBR/52/2025-COMM.& INDUS, दिनांक 30.04.2025 एवं स्मरण पत्र दिनांक07.04.2026

––00––

उपरोक्त विषय में कृपया संदर्भित पत्र दिनांक 30.04.2025 के अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा श्री नरेन्द्र कुमार जैन के शिकायत पत्र दिनांक 14.03.2025 को

9 महीने बाद नियुक्ति, 120 दिन बाद भी रिपोर्ट नहीं

30 अप्रैल 2025 को मंत्रालय के निर्देश के बावजूद विभाग ने जांच अधिकारी नियुक्त करने में 9 महीने लगा दिए। 21 जनवरी 2026 को सहायक पंजीयक बिलासपुर ज्ञान प्रकाश साहू को जांच अधिकारी बनाया गया। नियमानुसार 60 दिन में जांच पूरी होनी थी, पर 120 दिन से ज्यादा बीतने पर भी रिपोर्ट नहीं आई।

बिना जांच पोर्टल पर 'निराकृत' का आवेदन

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि रजिस्ट्रार कार्यालय ने बिना जांच रिपोर्ट या कार्रवाई के ही ढट पोर्टल पर शिकायत को "निराकृत" दिखाने का आवेदन कर दिया। आवेदक नरेंद्र जैन का सवाल है, "जब जांच रिपोर्ट ही नहीं आई तो 'निराकृत' कैसे मान लिया? क्या यह दोषियों को बचाने की साजिश है?"

ED-EOW से जांच की मांग

आवेदक ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों की संपत्ति की जांच ED या EOW से कराने, अधिकारियों–संस्था पदाधिकारियों के "गठजोड़" का पर्दाफाश करने और फर्जी तरीके से 'निराकृत' रिपोर्ट डालने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शासन पर सवाल

अब सवाल उठ रहा है कि वाणिज्य एवं उद्योग विभाग अपने अधीनस्थ कार्यालय की इस मनमानी पर अंकुश लगाएगा या केंद्र के महत्वपूर्ण पोर्टल्स इसी तरह फाइलों में दबते रहेंगे।

गौरतलब है कि जांच के नाम पर हो रही खानापूर्ति से शिकायतकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। वहीं गड़बड़ी करने वालों का हौसला बुलंद होते जा रहा है। पूरे शहरवासियों की निगाह भी शासन के इस जांच पर टिकी हुई है और नाराजगी बढ़ते जा रही है। गड़बड़ी करने वालों का प्रभाव है कि जांच पूरी तरह प्रभावित नजर आ रही है। बहरहाल शिकायतकर्ता निष्पक्ष जांच की उम्मीद लगाए बैंठे हैं।

विशेष टिप्पणी

तमिलनाडु में नया प्रयोग, कांग्रेस का बड़ा दांव

आलोक तिवारी

तमिलनाडु की राजनीति में 10 मई 2026 की तारीख इतिहास में दर्ज हो गई। 60 साल बाद द्रविड़ राजनीति का किला ढहा और 'थलपति' विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस बदलाव के सूत्रधार बने कांग्रेस नेता राहुल गांधी। कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन से ही TVK 120 के जादुई आंकड़े तक पहुंची। राहुल का शपथ ग्रहण में मंच पर मौजूद रहना सिर्फ शिष्टाचार नहीं, एक राजनीतिक संदेश था।

कांग्रेस ने क्यों खेला यह दांव?

20 साल से कांग्रेस तमिलनाडु में उटङ की बैसाखी पर थी। खुद की ताकत 4–5% वोट तक सिमटी हुई थी। DMK ने इसे "धोखा" कहा, पर कांग्रेस के लिए यह मजबूरी भी थी और मौका भी। मजबूरी इसलिए कि क्षेत्रीय क्षत्रपों के सहारे राष्ट्रीय पार्टी का कद घट रहा था। मौका इसलिए कि विजय जैसी नई, साफ छवि और जबरदस्त जनाधार वाले चेहरे के साथ जुड़कर कांग्रेस सीधे जनता से कनेक्ट हो सकती है। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी के प्रयोग की सफलता ने राहुल को यह जोखिम उठाने का हौसला दिया।

क्या यह दांव सफल होगा?

तात्कालिक तौर पर कांग्रेस किंगमेकर बन गई है। 108 सीट वाली सरकार में उसकी हिस्सेदारी है। 200 यूनिट फ्री बिजली, ड्रग्स STF जैसे विजय के पहले ऐलान कांग्रेस के घोषणापत्र की छाप लिए हैं। पर लंबी लड़ाई अभी बाकी है। पहला, उटङ से टकराव 2029 लोकसभा में 39 सीटों पर भारी पड़ सकता है। दूसरा, विजय ने खुद को "DMK-BJP का विकल्प" बताया है। कल को वे कांग्रेस से भी समान दूरी बना सकते हैं।

दक्षिण की नई इबारत

MGR और जयललिता के बाद विजय तीसरे अभिनेता–मुख्यमंत्री हैं। पर वे सिर्फ सितारे नहीं, बदलाव के प्रतीक बनकर उभरे हैं। तमिलनाडु ने वंशवाद और गठबंधन की थकी हुई राजनीति को नकारा है। राहुल गांधी ने इस जनभावना को पढ़ा और समय रहते उसका हिस्सा बन गए। यह राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी संकेत है: जनता अब पुराने समीकरणों से ऊब चुकी है।

कांग्रेस का यह जुआ सफल होगा या आत्मघाती, यह दो बातों पर निर्भर करेगा। एक, TVK सरकार का प्रदर्शन। दो, राहुल गांधी इस रिश्ते को बराबरी का साझा रख पाते हैं या नहीं। अगर विजय सरकार डिलीवर करती है तो दक्षिण में कांग्रेस के लिए नए दरवाजे खुलेंगे। नाकाम रही तो DMK जैसा पुराना साथी भी जाएगा और नया भी हाथ से निकलेगा।

फिलहाल तमिलनाडु ने देश को बता दिया है कि राजनीति में कोई भी स्थायी नहीं। न गठबंधन, न वर्चस्व। जनता का मूड ही असली किंगमेकर है। राहुल गांधी ने इस बार वह मूड भांप लिया। यही इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी सियासी सीख है।

न्यायालय के आदेश पर ही जागी पुलिस : रसूखदार शाह दंपति पर अपराध दर्ज, जांच पर उठ रहे सवाल

50 साल पुरानी कंपनी के मालिक केतन शाह–संगीता शाह पर 4 .60 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आम आदमी के लिए थाने के चक्कर और रसूखदार के लिए न्यायालय के आदेश का इंतजार, छत्तीसगढ़ पुलिस की इस दोहरी व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जुनवानी भूमि धोखाधड़ी मामले में सुपेला पुलिस ने सिंपलेक्स कास्टिंग्स लिमिटेड के मालिक केतन शाह और उनकी पत्नी संगीता केतन शाह के खिलाफ केस दर्ज किया है। लेकिन यह कार्रवाई पीड़ित की मुख्यमंत्री तक गुहार के बाद भी नहीं हुई। अंततः न्यायालय के हस्तक्षेप पर धारा 156(3) CrPC के तहत IPC की धारा 120इ, 406, 416, 420, 467, 468, 471, 34 में अपराध पंजीबद्ध करना पड़ा।

4.60 करोड़ का आरोप, रजिस्ट्री से इनकार

शिकायतकर्ता सुनील कुमार सोमन का आरोप है कि जुनवानी की विवादित भूमि को कोर्ट केस छुपाकर बेचा गया। एग्रीमेंट और पूरा भुगतान लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं की गई। एक ही संपत्ति पर वित्तीय संस्था से लोन लेकर दोहरी कमाई की गई। इससे 4.60 करोड़ की आर्थिक क्षति हुई।

पुलगांव में भी केस, जमानत की शर्त तोड़ी

यह पहला मामला नहीं है। 7 अप्रैल 2025 को पुलगांव थाना में विशाल केजरीवाल की शिकायत पर 420 IPC में केस दर्ज हुआ था। उसमें भी एग्रीमेंट–भुगतान के बाद रजिस्ट्री न करने का आरोप था। संगीता केतन शाह उस केस में अग्रिम जमानत पर हैं। जमानत की शर्त थी कि वे ऐसे विवादित कार्यों में लिप्त नहीं होंगी। इसके बावजूद जुनवानी में समान पैटर्न दोहराया गया।

मुंबई केस में FIR के बजाय 155 CrPC

विशाल केजरीवाल से मुंबई की संपत्ति के नाम पर भी राशि लेने का आरोप है। शिकायतकर्ता का कहना है कि थाना स्तर पर FIR के बजाय 155 CrPC में रिपोर्ट कर कोर्ट जाने की सलाह दी गई।

पीड़ित की मांग, गिरफ्तारी हो, प्रेस कॉन्फ्रेंस करें

पीड़ित पक्ष ने मांग की है कि न्यायालय के आदेश का पूर्ण पालन हो, आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हो और पूरे प्रकरण की वरिष्ठ स्तर पर निगरानी की जाए। सवाल यह भी है कि गिरफ्तारी होगी तो प्रेस नोट जारी होगा या सब गोपनीय रहेगा?

सवाल व्यवस्था पर

एक ही पैटर्न के मामले बार–बार सामने आ रहे हैं। न्यायालय के आदेश के बिना FIR नहीं, जमानत की शर्त तोड़ने पर भी गिरफ्तारी नहीं, और मुंबई केस में FIR की जगह 155 CrPC। क्या आम नागरिक और प्रभावशाली व्यक्ति के लिए कानून अलग–अलग है? यह मामला तय करेगा कि छत्तीसगढ़ में न्याय पाने के लिए आम आदमी को कितना संघर्ष करना पड़ेगा और रसूखदार कब तक व्यवस्था पर हावी रहेंगे।

कार्रवाई पर गंभीर सवाल

न्यायालय का इंतजार क्यों? थाना से SP, IG, DGP, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री तक आवेदन के बाद भी कार्रवाई नहीं। न्यायालय के आदेश पर ही केस दर्ज हुआ। न्यायालय के आदेश से पहले ही आरोपियों को सूचना देकर फरार होने का मौका देने का आरोप। गिरफ्तारी क्यों नहीं? पुलगांव केस में जमानत की शर्त तोड़ने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं। सामान्य व्यक्ति को तत्काल गिरफ्तार करने वाली पुलिस रसूखदारों पर मेहरबान क्यों?

खुर्सीपार में दुर्ग पुलिस का तड़के सुबह कांबिंग गश्त, 7 संदिग्ध बाइक जब्त

500 मकान, 200 ट्रक–ट्रेलर खंगाले; 3 संदिग्ध हिरासत में

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कानून व्यवस्था मजबूत करने और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के लिए दुर्ग पुलिस ने रविवार तड़के खुर्सीपार क्षेत्र में विशेष कांबिंग गश्त चलाई। सुबह 4 बजे से 9 बजे तक चले अभियान में 500 मकानों और 200 ट्रेलर–ट्रक वाहनों की जांच की गई।

100 से अधिक जवान तैनात : अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चंद्रा के नेतृत्व में यह संयुक्त अभियान चलाया गया। नगर पुलिस अधीक्षक छावनी यदुमनी सिदार, थाना प्रभारी खुर्सीपार, भिलाई–3, जामुल, यातायात पुलिस और रक्षित केंद्र दुर्ग के 100 से अधिक जवान शामिल रहे।

कहां–कहां हुई कार्रवाई : पुलिस ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर, शिवाजी नगर, अटल आवास देवार बस्ती, मछली मार्केट और ट्रांसपोर्ट नगर में सघन चेकिंग की। दोपहिया–चारपहिया वाहनों की डिक्की चेक की गई। ट्रांसपोर्ट नगर में ड्राइवर–क्लीनर के लाइसेंस, वाहन दस्तावेज और आधार कार्ड से सत्यापन किया गया।

कार्रवाई के दौरान 7 संदिग्ध मोटरसाइकिल जब्त की गईं। खुर्सीपार क्षेत्र से 3 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मादक पदार्थों के परिवहन, अवैध गतिविधियों और धारदार हथियार रखने वालों पर विशेष निगरानी रखते हुए वैधानिक कार्रवाई की।

पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से चेकिंग में सहयोग की अपील की है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तत्काल डायल–112 या नजदीकी थाना को देने को कहा गया है। पुलिस ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सेवानिवृत्त आईएएस सुब्रत गुप्ता बने बंगाल सीएम सुवेंदु अधिकारी के सलाहकार

नई दृष्टिबिंदु / कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (क्अर) अधिकारी सुब्रत गुप्ता को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी का सलाहकार नियुक्त किया है। राज्य सरकार की ओर से शनिवार को जारी आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई।

चुनाव आयोग में निभाई थी अहम जिम्मेदारी : 1990 बैच के आईएएस अधिकारी गुप्ता को हाल ही में संपन्न पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष रोल पयर्वेक्षक नियुक्त किया था। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (SIR) अभ्यास की निगरानी की थी।

तकनीकी पृष्ठभूमि के साथ प्रशासनिक अनुभव : सुब्रत गुप्ता की पहचान तकनीकी समझ और कुशल प्रबंधन वाले अधिकारी के रूप में रही है। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक और IIT दिल्ली से एम.टेक की डिग्री हासिल की है। लोक प्रशासन और प्रबंधन में भी उनकी विशेषज्ञता है।

राज्य के अहम विभागों में दी सेवाएं : अपने लंबे करियर में गुप्ता ने पश्चिम बंगाल सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। वे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी विभाग और एमएसएमई व कपड़ा विभाग में प्रमुख सचिव रहे। उन्होंने दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल के प्रशासक के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली।

जटिल नीतिगत मामलों को तकनीकी दृष्टिकोण से सुलझाने के लिए जाने जाने वाले गुप्ता की सलाहकार पद पर नियुक्ति को राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था पर उनकी गहरी पकड़ और अनुभव से जोड़कर देखा जा रहा है।

जल संकट व बिजली कटौती पर भड़के विधायक देवेंद्र यादव

अधिकारियों को लगाई फटकार, बोले– जनता को परेशान किया तो बर्दाश्त नहीं, तत्काल करें समाधान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भीषण गर्मी के बीच जल संकट और अघोषित बिजली कटौती पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने नाराजगी जताई। सेक्टर–5 स्थित कार्यालय में शनिवार को जनभेंट–मुलाकात के दौरान उन्होंने निगम और बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन पर फटकार लगाते हुए कहा कि जनता को परेशान किया तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

50 से अधिक लोगों ने की जल संकट की शिकायत

जनभेंट में सबसे ज्यादा शिकायतें पानी को लेकर आईं। खुर्सीपार और छावनी क्षेत्र से पहुंचे करीब 50 से अधिक महिला–पुरुषों ने बताया कि इलाके में पेयजल की भारी किल्लत है। नई पानी टंकी का निर्माण कार्य ठेकेदार की लापरवाही से अधूरा है। टंकी अब तक शुरू हो जानी थी, लेकिन देरी के कारण लोग पानी के लिए भटक रहे हैं।

इस पर विधायक ने निगम जोन–4 के अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिए कि प्रभावित इलाकों में तत्काल टैंकरों से नियमित पानी पहुंचाया जाए और जरूरत के अनुसार पाइप लाइन का विस्तार हो। उन्होंने कहा कि गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना किसी भी हाल में स्वीकार नहीं है।

बिना सूचना दिए बगैर बिजली कटौती पर जताई नाराजगी

वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के कोहका और कुरूद से आए लोगों ने अघोषित बिजली कटौती की शिकायत की। लोगों ने कहा कि बिजली कंपनी बिना सूचना के बिजली बंद कर देती है। इससे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं गर्मी में बेहद परेशान हैं। कई बार शिकायत के बाद भी सुधार नहीं हुआ। विधायक ने बिजली विभाग के अधिकारियों को अनावश्यक कटौती बंद करने और व्यवस्था सुधारने को कहा।

राशन कार्ड से लेकर महतारी वंदन तक की समस्याएं

जनभेंट में बड़ी संख्या में लोग राशन कार्ड, श्रम कार्ड, पेंशन, सहायता राशि, स्कूलों में बच्चों के प्रवेश और महतारी वंदन योजना से जुड़ी समस्याएं लेकर भी पहुंचे। विधायक देवेंद्र यादव ने सभी मामलों में संबंधित विभागों से समन्वय कर शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

विधायक ने कहा कि जनता की समस्या का समाधान उनकी प्राथमिकता है। अधिकारी जनता की परेशानी को गंभीरता से लें और समय पर काम करें। लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सामुहिक विवाह में 15 जोड़ें बंधे परिणय सूत्र में, विधायकों ने दिया नवदंपत्तियों को आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित "मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना" के अंतर्गत वैशाली नगर स्थित लोकआंगन परिसर में भव्य आदर्श सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 15 जोड़ों का विवाह पूरे विधि-विधान एवं सामाजिक रीति-रिवाज से संपन्न कराया गया।

समारोह में दुर्ग ग्रामीण के विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) ललित चंद्राकर एवं वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। दोनों विधायकों ने नवविवाहित जोड़ों को मंच पर पुष्पवर्षा कर बधाई दी एवं उनके सुखद दांपत्य जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर शासन की ओर से प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को ?50,000 की आर्थिक सहायता राशि का चेक एवं गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट किया गया।

अपने उद्बोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, "मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान है। आज यहां 15 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत की है। इससे न केवल आर्थिक बोझ कम होता है बल्कि दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को भी समाप्त करने में मदद मिलती है। आप सभी समाज में आदर्श स्थापित करें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।" उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए संकल्पित है और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाना ही सुशासन है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने अपने संबोधन में कहा, "विवाह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, दो परिवारों और समाज को जोड़ने का पवित्र संस्कार है। आज 15 बेटियों के हाथ पीले कर हम सब गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना नई ऊंचाई दे रही है। वैशाली नगर की धरती पर आज जो सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ है, वह सामाजिक समरसता का प्रतीक है। मैं सभी नवविवाहित जोड़ों से आग्रह करता हूं कि वे अपने वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे का सम्मान करें और अपने माता-पिता का आशीर्वाद हमेशा लेते रहें।" उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पारदर्शिता से पहुंचे।

कार्यक्रम में विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी 15 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। पूरे परिसर को पारंपरिक तरीके से सजाया गया था। बड़ी संख्या में वर-वधू पक्ष के परिजन, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

जी एच रायसोनी स्मृति दुर्ग संभाग रैपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन दुर्ग में 23 मई को

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा प्रदेश शतरंज संघ के मार्गदर्शन में जी एच रायसोनी की स्मृति में जी एच रायसोनी स्पोर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन व कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार 23 मई को दुर्ग संभाग एक दिवसीय रैपिड शतरंज स्पर्धा का आयोजन श्री जलाराम सांस्कृतिक भवन सिविल लाइन दुर्ग में किया गया है। जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा संबंधी विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि उक्त स्पर्धा में दुर्ग संभाग के अंतर्गत आने वाले दुर्ग, राजनांदगांव,बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, खैरागढ़ छुईखदान गंडई ,मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के शतरंज खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं।

स्पर्धा में कुल 51 हजार रुपए राशि पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे। जिसमें प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए एवं विजेता ट्रॉफी, द्वितीय 7 हजार रुपए एवं उपविजेता ट्रॉफी, तृतीय 5 हजार रूपए एवं ट्रॉफी चतुर्थ 3 हजार रुपए एवं मोमेंटो, पांचवा 2 हजार रुपए एवं मोमेंटो, छठवां से लेकर दसवां स्थान 15 सौ रुपए एवं मोमेंटो तथा ग्यारहवें से लेकर पंद्रहवें स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 1 हजार रूपए एवं मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा बेस्ट महिला खिलाड़ी, बेस्ट दुर्ग जिला खिलाड़ी,बेस्ट वरिष्ठ खिलाड़ी में प्रथम 15 सौ रुपए एवं द्वितीय 1 हजार रूपए एवं मोमेंटो के अलावा मिनी सब जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किया जाएगा।

भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। स्पर्धा में प्रवेश शुल्क 5 सौ रूपए निर्धारित है तथा प्रवेश की अंतिम तिथि 16 मई तक है। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं तकनीकी सहायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे। जिला शतरंज संघ के मुख्य संरक्षक कैलाश जैन बरमेचा एवं पदाधिकारी दिनेश जैन, ललित वर्मा, दिनेश नालोडे, मोरध्वज चंद्राकर, एस के भगत, संजय खंडेलवाल, हरीश सोनी,जवाहर सिंह राजपूत, अजय साहू,त्रिलोक सोनी, गुलाब चौहान ने दुर्ग संभाग के शतरंज प्रतिभागियों से इस स्पर्धा में भाग लेने की अपील की है।

संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग की जिला कार्यसमिति की हुई महत्वपूर्ण बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग की जिला कार्यसमिति बैठक जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महापौर अलका बाघमार सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस दौरान पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर बधाई प्रस्ताव तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित नहीं होने पर निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चैरेवेती-चैरेवेती के मूल मंत्र के आधार पर निरंतर कार्य करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। उन्होंने बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की जीत को पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्पण और निष्ठा का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के भाजपा कार्यकर्ता संगठन क्षमता और चुनाव प्रबंधन में पूरे देश में अपनी अलग पहचान रखते हैं।

उन्होंने भाजपा के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि 1984 में मात्र दो सीटों से शुरू हुआ सफर आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी तक पहुंचा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पार्टी ने देशहित में कई ऐतिहासिक फैसले लिए, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा लगातार मजबूत हुई है।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि दुर्ग जिले में 17 मंडल और 829 बूथ हैं तथा प्रत्येक स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवादी विचारधारा वाली पार्टी है, इसलिए उसे ह्लपार्टी विद डिफरेंसह्व कहा जाता है। उन्होंने राम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 हटाने और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे निर्णयों का उल्लेख करते हुए भाजपा सरकारों की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रही है।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार ने भाजपा की चुनावी जीत पर बधाई प्रस्ताव का वाचन किया, जबकि जिला उपाध्यक्ष हर्षा चंद्राकर ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध में निंदा प्रस्ताव प्रस्तुत किया। आगामी जिला प्रशिक्षण वर्ग को लेकर जिला मीडिया प्रभारी राजा महोबिया एवं आईटी सेल जिला संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा ने किया। बैठक में भाजपा के जिला, मंडल एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती पर 10 महिला पत्रकार का हुआ सम्मान

मुख्य वक्ता बोले- नारद देते हैं अज्ञान का नाश कर ज्ञान का प्रकाश, समाजहित में हो पत्रकारिता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती एवं विश्व पत्रकार दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को सुपेला स्थित हिमालय होटल में पत्रकार सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। विश्व संवाद केंद्र छत्तीसगढ़ एवं प्रचार विभाग दुर्ग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 10 महिला पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

नारद के सूत्रों पर चले पत्रकारिता : कृष्णमुरारी

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता स्तंभकार एवं पत्रकार कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल ने कहा कि भारतीय पत्रकारिता के सूत्र हमें देवर्षि नारद के रूप में मिलते हैं। अज्ञान का नाश कर ज्ञान का प्रकाश देने वाले देवर्षि नारद हैं। उन्होंने कहा कि हमारा उत्तरदायित्व समाज और राष्ट्र के प्रति है। जब तक हम इन उत्तरदायित्वों का निर्वहन नहीं करते, तब तक पत्रकार होने की अहर्ता नहीं रखते।

भिलाई में बने नारद मंदिर : अनिल गुप्ता

न्यू प्रेस क्लब के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने कहा कि नारद जी के समान समाज हित में कल्याणकारी पत्रकारिता करनी चाहिए। उन्होंने इच्छा जताई कि भिलाई में देवर्षि नारद का मंदिर बने, जहां उनकी मूर्ति स्थापित हो। स्टील सिटी प्रेस क्लब के कार्यवाहक अध्यक्ष अतुल शर्मा ने कहा कि हमें नारद जी के कदमों का अनुसरण करते हुए पत्रकारिता करनी चाहिए। समाजसेवी सुनील पटेल ने कहा कि पत्रकारों को आपस में बैठकर समीक्षा करनी चाहिए कि हम किस प्रकार की पत्रकारिता कर रहे हैं। पत्रकारिता ऐसी हो जिससे समाज और राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन आए।

ये हुई सम्मानित

कार्यक्रम में भावना पाण्डेय, कोमल धनेसर, अनुभूति भाखरे, संगीता मिश्रा, दाक्षी साहू, वीणा दुबे, साधना सिंह, पिंकी चौधरी, निधि भरद्वाज और भारती कौर को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ देवर्षि नारद के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रस्तावना विनय प्रकाश कादमिया ने रखी। स्वागत निकस साहू और परिचय आनंद नारायण ओझा ने कराया। आभार प्रदर्शन दिनेश पुरवार ने किया। इस दौरान समाजसेवी दुष्यंत साहू, जीतेन्द्र साहू, मनीष दुबे, अंजनी द्विवेदी, रोहन सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, पवन केशवानी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम दो घंटे तक चला।

सीजीपीएससी 2021 के शेष चयनित अभ्यर्थियों को तत्काल ज्वाइनिंग प्रदान करें - डॉ. प्रतीक उमरे

चयनित अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग लंबित रहना युवाओं में असमंजस व मानसिक तनाव की स्थिति पैदा करना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) राज्य सेवा परीक्षा 2021 के शेष चयनित अभ्यर्थियों को तत्काल ज्वाइनिंग प्रदान किए जाने का आग्रह किया है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि सीजीपीएससी 2021 परीक्षा में चयनित अनेक अभ्यर्थी लंबे समय से नियुक्ति आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

वर्षों की कठिन मेहनत,प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष के बाद सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं को अब तक पूर्ण रूप से ज्वाइनिंग नहीं मिल पाना अत्यंत चिंताजनक एवं निराशाजनक स्थिति है।उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशासनिक विषय नहीं बल्कि युवाओं एवं उनके परिवारों के भविष्य से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय एवं माननीय सवोच्च न्यायालय द्वारा भी चयनित अभ्यर्थियों के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्णय दिए जा चुके हैं।

न्यायालयों ने स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों पर किसी प्रकार की प्रत्यक्ष आपत्ति अथवा जांच संबंधी आरोप नहीं हैं, उन्हें अनावश्यक रूप से नियुक्ति से वंचित रखना उचित नहीं है,इसके बावजूद शेष चयनित अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग लंबित रहना युवाओं में असमंजस एवं मानसिक तनाव की स्थिति उत्पन्न कर रहा है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति प्रदेश के विकास की आधारशिला है और राज्य सरकार सदैव युवाओं के हितों के प्रति संवेदनशील रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आग्रह किया कि मानवीय संवेदनाओं,न्यायालयीन निर्देशों एवं युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर सीजीपीएससी 2021 के शेष पात्र चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र ज्वाइनिंग प्रदान की जाए।उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे युवाओं को राहत प्रदान करना सरकार की सकारात्मक एवं संवेदनशील सोच को प्रदर्शित करेगा साथ ही इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता एवं युवाओं का प्रशासनिक व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

निधन

दाऊ उत्तमचंद साहू

भिलाई। औद्योगिक क्षेत्र छावनी स्थित उत्तम इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीज के संचालक भिलाई - दुर्ग शहर के वरिष्ठ उद्योगपति दाऊ उत्तम चंद साहू 82 वर्षीय का 10-11 मई की रात्रि 12 के करीब उपचार के दौरान रायपुर स्थित श्री रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उत्तम चंद साहू का अंतिम संस्कार सोमवार 11 मई को दोपहर 2:30 बजे रामनगर मुक्तिधाम भिलाई में किया गया। वे छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव युवा उद्योगपति अतुल चंद साहू, नितिन चंद साहू के पिता, पेट्रोल पंप संचालक राहुल चंद साहू के बड़े पिता - हर्षित साहू - शिखर-साहू, क्रियांस साहू, उन्नति साहू, कनिष्का साहू के दादा थे।

पीस ऑडिटोरियम में हर्षोल्लास से मना मदर्स डे, आशा दीदी बोलीं : मां देती है निस्वार्थ परमात्म प्रेम की पालना

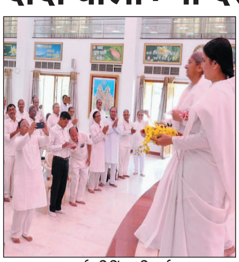

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रविवार को सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में मदर्स डे हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि मां जीवन की पहली गुरु, सखा और शिक्षक होती है। उनकी निस्वार्थ शिक्षाएं जीवन यात्रा को सफल बनाती हैं।

ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने दिया आशीर्वचन

प्रातः राजयोग सत्र के बाद ब्रह्माकुमारी दीदियों ने अलौकिक मातृत्व शक्ति राजयोगिनी आशा दीदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए स्नेह पुष्प अर्पित किए। आशा दीदी ने ब्रह्मा वत्सों को संबोधित करते हुए कहा कि मां भले ही कभी डांटे या समझाए, लेकिन उसका स्वरूप हमेशा कल्याण का होता है। उन्होंने कहा कि जीवन दो-चार घंटों का नहीं, सदा काल का होता है।

आशा दीदी ने कहा कि यदि परिवार में कोई मायूस है या पुराने संस्कार के वश है, तो उसे उमंग-उत्साह देना, सहयोग और स्नेह देना भी सेवा का पुण्य है। धरती मां और प्रकृति के पांचों तत्वों की पालना का रिटर्न इन्हें संभालना और चारों ओर शांति व सकारात्मकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि सच्चा सेवाधारी गिरे हुए को उठाता है। सभी को अपनी श्रेष्ठ जीवन द्वारा निस्वार्थ मातृत्व स्नेह की शीतल अंचल देनी है।

बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति

इस अवसर पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्रह्मा वत्स उपस्थित रहे।

खुर्सीपार में समर कैंप का भव्य उद्घाटन, खिलाड़ियों ने उड़ाए गुब्बारे

क्रिकेट, योगा, कराते समेत 6 खेलों का प्रशिक्षण, सुमित सिंह के निर्देशन में शुरू हुआ कैंप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

खुर्सीपार श्री राम चौक ग्राउंड में शनिवार सुबह सात बजे समर कैंप का उद्घाटन खेल भावना के साथ किया गया। खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुमित सिंह के दिशा निर्देश में आयोजित कैंप में खिलाड़ियों ने शपथ ली और गुब्बारे उड़ाकर विधिवत शुभारंभ किया।

इन खेलों का मिलेगा प्रशिक्षण

कैंप में खुर्सीपार, छावनी, बैकुंठ धाम, जवाहर नगर और सेक्टर-1 समेत आसपास के क्षेत्रों से खिलाड़ी पहुंचे। यहां क्रिकेट, योगा, कराते, बैडमिंटन, बॉक्सिंग और वॉलीबॉल का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ये रहे उपस्थित

उद्घाटन समारोह में सुमित सिंह के साथ गुड्डू खान, डी. कामराजू, अजहर अली, शंकर राव, माधव तथा प्रशिक्षक नीरज चौधरी, जितेन्द्र, चन्दन शर्मा, वी.पी. सिंह और विमल सहित बड़ी संख्या में पालक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन नाग सर ने किया।

करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात, अब कोई भी गाँव पहुंचविहीन नहीं रहेगा– राजस्व मंत्री वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने शनिवार को जिला बलौदाबाजार–भटापारा जिला के तहसील सुहेला के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़कीडीह में विकास की नई इबारत लिखी। मंत्री श्री वर्मा ने कुल 5 करोड़ 39 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें क्षेत्र की वर्षों पुरानी माँग को पूरा करते हुए बंजारी नाला पर बनने वाले वृहद पुल का आधारशिला रखना प्रमुख रहा। उन्होंने कहा कि गाँव–गांव में सड़कों और पुलों का जाल बिछ रहा है।

मंत्री श्री वर्मा ने बंजारी नाला पुल का भूमिपूजन कर कहा कि पड़कीडीह से टेकरी मार्ग पर 5.20 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह पुल क्षेत्र की कनेक्टिविटी के लिए गेम–चेंजर साबित होगा। इसी तरह ग्रामीणों के सामाजिक आयोजनों के लिए 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुचारू बनाने हेतु 9.85 लाख रुपए की लागत से तैयार नए पीडीएस भवन का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि गाँवों में सड़कों और पुलों का जाल बिछ रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अंत्योदय के संकल्प के साथ काम कर रही है। हमारी सरकार शहर से लेकर गाँव तक बुनियादी ढाँचे को मजबूत कर रही है। हालिया बजट सत्र में हमने पुल–पुलियों और सड़कों के लिए रिकॉर्ड राशि का प्रावधान किया है ताकि कोई भी गाँव विकास की मुख्यधारा से कटा न रहे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे बताते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया जा रहा है। समूहों की गतिविधियों और आपसी चर्चा के लिए महतारी सदन विशेष भवनों का निर्माण किया जा रहा है।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि कृषि एवं वनोपज के उचित मूल्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5500 रुपए प्रति मानक बोरा किया गया है। इसी तरह दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के जरिए अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष दौलत पाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं भारी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ में हुए शामिल, श्री जगन्नाथ मंदिर में की पूजा–अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित भगवान श्री जगन्नाथ के मंदिर में आयोजित हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विधि–विधान के साथ भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की पूजा–अचर्ना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने हरिनाम संकीर्तन की परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोगों को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने के साथ–साथ समाज में भाईचारे और सद्भाव का संदेश भी देते हैं। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही को मिलें – मंत्री टंकराम वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ सरसीवा तहसील के ग्राम पंचायत झुमका में 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रदेश के राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा शामिल हुए।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री टंकराम वर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार 'अंत्योदय' के सिद्धांत पर कार्य कर रही है।?"प्रधानमंत्री आवास योजना के हर पात्र हितग्राही को उनका हक मिलेगा, यह सरकार की सवीच्च प्राथमिकता है।अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि शिविर में प्राप्त एक–एक आवेदन का निराकरण समय–सीमा के भीतर हो। शिविर में प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए विभिन्न विभागों के माध्यम से बड़ी संख्या में लाभान्वित किया गया। शिविर में किसान पुस्तिका, बी–1 और विद्याथिर्यों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसी तरह मत्स्य एवं खाद्य विभाग द्वारा मछुआरों को जाल और पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड सौंपे गए। दिव्यांग प्रमाण पत्र, पेंशन स्वीकृति और प्रधानमंत्री आवास के पूणर्ता प्रमाण पत्र बांटने के साथ–साथ स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा शिविर लगाकर ग्रामीणों का निःशुल्क परीक्षण किया गया। इस शिविर में कुल 2310 आवेदन प्राप्त हुआ जिसमे से 272 का तत्काल निराकरण किया गया।

कार्यक्रम में बिलाईगढ़ विधायक कविता लहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडेय, और ग्राम पंचायत झुमका के सरपंच धनंजय साहू, कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, सहित जिला प्रशासन के आला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए विभिन्न योजनाओं के लिए अपना पंजीयन कराया।

समयसीमा और गुणवत्ता पर फोकस : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए, किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सिलफिली–लटोरी मार्ग पर निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों के पालन और आम नागरिकों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखने के भी निर्देश दिए।

सुपोषण की ओर सशक्त कदम, मातृ–शिशु स्वास्थ्य को मिला नया संबल

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्रदेशभर में जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित और प्रभावी लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव डाला है। इसी क्रम में राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम आसरा में आयोजित शिविर में गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को सुपोषण के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सुपोषण किट वितरित किए गए। हितग्राही श्रीमती महेश्वरी साहू एवं श्रीमती पुष्पलता साहू ने किट प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन के प्रति आभार जताया।

उन्होंने कहा कि इस पहल से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी। राजनांदगाव जिले में पोठ लईका अभियानह्व के तहत पालक चौपालों का आयोजन कर गर्भवती एवं धात्री माताओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार की जानकारी दी जा रही है। शिविरों में सुपोषण कलश के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों जैसे मुनगा, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें एवं प्रोटीनयुक्त आहार के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसके साथ ही तिरंगा भोजन की अवधारणा के माध्यम से संतुलित आहार के महत्व को सरल तरीके से समझाया जा रहा है, जिससे आमजन आसानी से इसे अपने दैनिक जीवन में अपना सकें।सुशासन तिहार के इन प्रयासों से प्रदेश में न केवल योजनाओं की पहुंच सुदूर क्षेत्रों तक सुनिश्चित हो रही है, बल्कि जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी तेजी से बढ़ रही है, जो एक स्वस्थ एवं सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीणों व हितग्राहियों के लिए सौगातों भरा रहा ग्राम घीना में आयोजित सुशासन तिहार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम घीना में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत घीना के 25 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण एवं हितग्राही शामिल हुए। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शासकीय हायर सेण्डरी स्कूल मैदान घीना में आयोजित शिविर में डौण्डीलोहारा जनपद अध्यक्ष श्रीमती कांति सोनबरसा, जिला पंचायत सदस्य गुलशन हिरवानी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को स्वामीत्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख का वितरण, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास पूणर्ता प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नया राशन कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत हितग्राहियों को जाल एवं आईस बॉक्स वितरण के अलावा शासन के अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल कैम्प भी लगाया गया था।

इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें–मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। इसके अलावा शिविर में 20 किशोरी बालिकाओं को स्वच्छता किट भी प्रदान किया गया। ग्राम घीना में आयोजित शिविर में आज विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 906 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 450 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार सुशासन तिहार के दौरान प्रशासनिक अमले के द्वारा आम जनता के बीच पहुँचकर उनके मांगों एवं वास्तविक समस्याओं से रूबरू होकर उनका समुचित निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में उपस्थित होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि घीना में आज आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम पापरा, बुन्देली, रानीतराई कि, किसना, सिंगारपुर, भालूकोन्हा, हड़गहन, भुरकाभाट, मनकी क, केवट नवागांव, सुरेगांव, झिटिया, परसाडीह सु, फरदफोड़, भण्डेरा, घीना, मुढिया, भेडी सु, अहि. नवागांव, कसहीकला, बीजाभाठा, डेंगरापार, मुडखुसरा, भीमकन्हार और हथौद सहित 25 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण जन शामिल हुए थे।

मार्री क्लस्टर में सरपंचों सहित कलेक्टर ने की जनसमस्याओं एवं विकास कार्यों पर चर्चा

सुशासन तिहार 2026 : जल संरक्षण और ग्राम सचिवालय को लेकर सरपंचों को दिए अहम निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशासन तिहार 2026 के तहत मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के विकासखंड मोहला अंतर्गत ग्राम पंचायत मार्री में समाधान शिविर से पहले कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने मार्री क्लस्टर की 11 ग्राम पंचायतों के सरपंचों की बैठक लेकर पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी, पटवारी तथा क्षेत्र के सरपंच उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन समस्याओं से संबंधित शिकायतें अधिक मिल रही हैं, उनका त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने जल संरक्षण और जल संचयन के स्थायी उपायों पर विशेष जोर दिया। ग्राम पंचायतों को तालाब, कुएं और अन्य जल संरक्षण कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि क्षेत्र में जल स्तर में सुधार लाया जा सके।

कलेक्टर ने सभी सरपंचों से गांवों में नियमित मुनादी कराकर प्रत्येक माह ग्राम सचिवालय आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालय के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं, विकास योजनाओं और आवश्यक कार्यों पर स्थानीय स्तर पर चर्चा कर तेजी से समाधान किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवास निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर निर्माण पूर्ण होने से आगामी स्वीकृतियों में भी सुविधा मिलेगी। बैठक में निर्माण कार्यों में लगे राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण के इच्छुक युवाओं की सूची तैयार करने को कहा। साथ ही युवाओं को इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर और सोलर टेक्नीशियन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में कोरिया मॉडल के तहत खेतों में गड्ढे बनाकर जल संचयन की जानकारी साझा की गई। इसके अलावा आधार अपडेट, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र और किसानों के एग्रीस्टैक पंजीयन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सरपंचों से किसानों को एग्रीस्टैक में पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील करते हुए कहा कि इससे भविष्य में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में किसानों को आसानी होगी।

महाप्रबंधक ने स्टेशन री–डेवलपमेंट और अमृत भारत योजना के तहत निर्माणाधीन स्टेशनों के कार्यों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने रायपुर मंडल के बिलासपुर – रायपुर रेलखंड का एक दिवसीय संरक्षा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में महाप्रबंधक ने रेल संरक्षा, परिचालन, कार्य प्रणाली, स्टेशन रि–डेवलपमेंट, अमृत भारत स्टेशन परियोजना कार्यों एवं यात्री सुविधाओं की समग्र समीक्षा की। इस निरीक्षण पर बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मुख्य अधिकारीगण, मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानंद सहित मंडल के वरिष्ठ शाखाधिकारी एवं पयर्वेक्षक उपस्थित थे।

संरक्षा निरीक्षण की शुरुआत दाधापारा स्टेशन से हुई। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने चौथी रेलवे लाइन कंस्ट्रक्शन , बिल्हा रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन रि–डेवलपमेंट में किए जा रहे कार्यों का गहन निरीक्षण कर उसका जायजा लिया एवं गुणवत्ता संबंधित गतिविधियों पर चर्चा की गई। किए जा रहे कार्यों से संबंधित निर्देश अधिकारियों को दिए एवं रेलवे वे ब्रिज, दगोरी – निपनिया स्टेशनों के मध्य मेजर ब्रिज शिवनाथ ब्रिज पर मिडिल लाइन का गहनता से निरीक्षण एवं ट्रैक मेंटेनेंस गैंग स्टाफ से प्रत्यक्ष संवाद किया गया। उन्होंने कर्मचारियों से कार्य में आने वाली चुनौतियों, संसाधनों की उपलब्धता और संरक्षा मानकों के पालन के विषय में जानकारी ली। ट्रैक अनुरक्षण की गुणवत्ता में सुधार हेतु कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। निपनिया रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रि–डेवलपमेंट कार्य ,माइनर स्टेशन एवं माइनर यार्ड का निरीक्षण किया गया। स्टेशन पर उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा की। निपनिया – भाटापारा स्टेशनों के मध्य इंजीनियरिंग लेवल क्रॉसिंग गेट एवं ऑटो हट का निरीक्षण किया गया ।

संरक्षा निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने भाटापारा रेलवे स्टेशन पर गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान मेजर स्टेशन , मेजर यार्ड, आर.आर.आई, रनिंग रूम लॉबी, गुड्स शेड , आरपीएफ पोस्ट, रेलवे कॉलोनी, कैरीज एंड वैगन पॉइंट, स्टोर , डिस्पेंसरी का निरीक्षण एवं नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टर टाइप–2 ब्लाक का शुभारंभ किया गया । महाप्रबंधक ने रेलवे कॉलोनी का निरीक्षण के दौरान कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारियों की मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा की एवं उनसे संवाद भी किया एवं भाटापारा स्टेशन स्थित रनिंग रूम एवं लॉबी का निरीक्षण , रनिंग स्टाफ को दी जाने वाली सुविधाओं का गहन जायजा लिया। उन्होंने रनिंग रूम की स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं, विश्राम व्यवस्था एवं सेफ्टी मानकों की जांच की, कर्मचारियों की मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा की एवं उनसे संवाद भी किया।

इसी कड़ी में भाटापारा झ्र हथबंद स्टेशन के मध्य नॉन – इंटरलॉकिंग , हथबंद और तिल्दा स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रि–डेवलपमेंट किए जा रहे कार्यों , का गहनता से निरीक्षण एवं निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था मूलभूत आवश्यकताओं की समीक्षा की। दाधापारा से रायपुर रेलवे स्टेशन के बीच बिल्हा रेलवे स्टेशन पर विधायक धरमलाल कौशिक, भाटापारा रेलवे स्टेशन पर विधायक इंद्र कुमार साव, रायपुर रेलवे स्टेशन पर सांसद राज्यसभा लक्ष्मी वर्मा, विधायक राजेश मूणत अन्य जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर रायपुर शहर की रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी एवं अन्य विकासात्मक विषयों पर चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक द्वारा रेल कर्मचारियों के यूनियनों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं डीआरयूसीसी/जेडआरयूसीसी सदस्यों, प्रेस एवं मीडिया सदस्यों से भी अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रि–डेवलपमेंट किए जा रहे कार्यों , ट्रेनों की समयबद्धता, नई रेल सेवाओं, ठहराव, विस्तार, और यात्री सुविधाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई । इस निरीक्षण के माध्यम से रेल खंड की संरक्षा, संरचनात्मक गुणवत्ता, यात्री सेवा, वाणिज्यिक उपयोग एवं विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया गया, जिससे भविष्य की योजनाओं एवं सुधारात्मक कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा ।

संपादकीय

हाशिये पर आधी दुनिया, दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए।

यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए।

यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वतः ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है।

विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है। सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है?

इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं जागरूक होकर अपने अधिकारों को पाने के लिए अपना संघर्ष तेज करें। अन्यथा राजनीतिक दल दशकों से लटके मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार ही काम करेंगे। निश्चय ही हालिया विधानसभा के चुनाव परिणाम बताते हैं कि आधी दुनिया को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वाजिब हक दिलाने में राजनीतिक दलों की कवायद से, उनकी ईमानदारी को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक ही है।

मोदी की भाजपा बंगाल का पुराना वैभव लौटाएगी

बृजमोहन अग्रवाल, (रायपुर सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ भाजपा सरकार)

देश का विरोध करते-करते भगवान राम का विरोध करने वालों का यही हश्र होना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनावी रणनीति में बेहद चौकन्ने और अब तक के सवोच्च कुशल संगठनकर्ता केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की शानदार, दमदार और जानदार राजनयिक जुगलबन्दी ने कश्मीर से धारा 370 को हटाने के बाद अब बंगाल पर विजय हासिल करके देश को चौतरफा विकास की ओर और आगे बढ़ा दिया है। भाजपा पश्चिम बंगाल की 293 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटों की जीत के साथ बंग भूमि को प्राचीन काल की तरह और उर्वर बनाने के लिए बेहद पुख्ता ढंग से काबिज हो गई है। पूर्व प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की कश्मीर नीति का प्रखर विरोध करते हुए अपनी जान तक गंवाने वाले मां भारती के अजर अमर लाल और पश्चिम बंगाल में ही जन्में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा आज बंगाल में हर तरफ भगवा लहराने से संतृप्त हुई होगी। मैं डॉक्टर साहब के अमर बलिदान को याद करते हुए यही कहना चाहूंगा वंदे मातरम, तेरा वैभव अमर रहे मां... अब हम सभी बड़े गर्व से कह सकेंगे कि जहाँ जन्में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वह बंगाल भीहमारा है। अब गंगोत्री से गंगासागर तक हम सभी को पतित पावनी मां गंगा का भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है।

चुनाव परिणाम बंगाल के लोगों की सामूहिक राष्ट्रीय चेतना का भव्य प्रदर्शन है। यह जीत देश की राजनीति के लिए एक निर्णायक मोड़ है। ये जीत सिर्फ बंगाल की जीत नहीं है, ये पूरे देश की जीत है, ये सनातन की जीत है और घुसपैठ के विरोध की जीत है। यह जीत बंगाल में व्याप्त अनार्की (अराजकता) और कानून-व्यवस्था के समाप्त होने के विरुद्ध जनता का जनादेश है। पिछले 15-20 सालों से बंगाल का विकास रुक गया था और जनता नारकीय जीवन जीने को मजबूर थी, जिससे अब उन्हें मुक्ति मिली है। पश्चिम बंगाल की धरती पर भाजपा की यह प्रचंड विजय केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि उस विचार, उस संकल्प और उस बलिदान की गूंज है, जिसकी नींव अखंड भारत के शाश्वत प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने रखी थी। यह जीत उन सपनों की जीत है, जो उन्होंने एक अखंड, सशक्त और आत्मसम्मान से भरे भारत के लिए देखे थे। यह जीत उस राष्ट्रवाद की जीत है, जिसके लिए उन्होंने हर संघर्ष को स्वीकार किया और अंततः अपना सवोच्च बलिदान दिया। उनकी तपस्या, त्याग और बलिदान आज हर कार्यकर्ता की प्रेरणा बनकर खड़ा है।

यह जनादेश उस संकल्प का प्रमाण है कि भारत की आत्मा को कोई दबा नहीं सकता, और राष्ट्रहित की आवाज हमेशा बुलंद होती है। यह विजय जन-जन के विश्वास, समर्थन और लोकतंत्र के प्रति उनकी अटूट आस्था का परिणाम है। पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से अभिनंदन है, जिनके अथक परिश्रम, निष्ठा और जनसेवा के भाव ने इस ऐतिहासिक जीत को संभव बनाया है। भाजपा के नव नियुक्त अध्यक्ष नितिन नवीन के कुशल मार्गदर्शन से पार्टी को ऐसी सुनहरी जीत मिल सकी है। बूथ स्तर से लेकर प्रत्येक क्षेत्र तक कार्यकर्ताओं ने जिस ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य किया, वही इस सफलता की असली ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि आज से बंगाल भयमुक्त हुआ है। विकास के भरोसे से युक्त हुआ है।चुनाव के बाद यहां एकदम से हालात बदल गए हैं और जज्बात बदल गए हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं और जन जन में यह विश्वास है कि भाजपा बंगाल को उसका पुराना वैभव देने में अवश्य कामयाब होगी। पहले कॉंग्रेस फिर वामपंथी दलों और बाद में ममता बनर्जी की अत्याचारी और हिंदू दमनकारी सरकार की वजह से कुंद हो चुके हिंदुत्व ने आपसी प्रेम बंधुत्व और भाई चारे के माहौल में अपनी धर्म संस्कृति और संस्कारों के साथ खुशी खुशी जीना शुरू कर दिया है।बंगाल के हिंदुओं के चेहरे में एक अपरिमित खुशी झलक रही है। जिसमें आत्म संतोष के भाव साफ साफ देखें जा सकते हैं। सबसे पहले अंग्रेजों ने उर्वर बंगाल की भूमि का विभाजन कर देश की आर्थिक-सामाजिक संस्कृति को चोट पहुँचाई।

कालांतर में वामपंथियों ने 34 साल तक पश्चिम बंगाल में शासन किया और नतीजा यह रहा कि जो राज्य कभी देश की राजधानी हुआ करता था और विकसित राज्यों की श्रेणी में था वह आज नीचे से भी कहीं नहीं रहा। और फि र ममता बनर्जी का आतंक सिंडीकेट माफियाओं ने इस राज्य के लोगों के अमन चैन और खुशहाल संस्कृति का सत्यानाश कर डाला। ममता राज में तो लूट-पाट, डकैती, सरे आम हत्या आगजनी और बमबारी बंगाल की दिनचर्या हो गई। बंगाल में वामपंथियों ने अपने विरोधियों के साथ ऐसा व्यवहार किया कि सात पुश्तों तक ये लोग कभी नहीं भूल सकते हैं। लेकिन अब सब बदल जाएगा। 2008 के सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलन (भूमि अधिग्रहण विवाद) के कारण वामपंथियों का वर्चस्व समाप्त करते हुए 2011 में राज्य की सत्ता में आई ममता बनर्जी ने अपनी सत्ता को हर हाल में क़ायम रखने के लिए अनगिनत ग़ैर कानूनी गतिविधियों को बढ़ावा दिया।अपने शासन में बंगाल का खूब औद्योगिक पतन कराया और यहां राजनीतिक हिंसा में समय के साथ लगातार वृद्धि भी होती रही। 'मां, माटी, मानुष' के नारे के साथ वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंक सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बाद में माँ माटी मानुष को भूलते हुए बुनियादी ढांचे के विकास, कन्याश्री जैसी कल्याणकारी लोक लुभावन योजनाओं और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राजनीति पर ही ध्यान केंद्रित कर लिया।

उनके संपूर्ण शासनकाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप सहते हुए बंगाल को उसका पुराना वैभव लौटाने में संघर्षरत विपक्षी भाजपा को हर समय ममता बनर्जी से कड़ी टक्कर मिली। भाजपा ने ममता बनर्जी के खिलाफ राजनयिक वर्चस्व की जंग और खून खराबे में अपने सैंकड़ों कार्यकताओं को खोया है।आज बंगाल की इस यादगार जीत से उनकी सभी की आत्मा को शांति मिली होगी।बंगाल की यह जीत, उन सभी कार्यकर्ताओं को ही समर्पित है, जिन्होंने संघर्ष करते हुए अपनी जान गंवाई है। पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणाम काफी कुछ बतानेवाले हैं। वे चुनाव परिणाम काफी चौकाने वाले इसलिए नहीं हैं कि यह तो होना ही था। लोगों को आप हर समय पागल और बरगला नहीं सकते हैं।

गत 45 वर्षों से प्रचारित और प्रसारित बंगाल की बौध्दिक प्रगति हम सभी को यही समझाती रही कि देश, समाज, राष्ट्रीय हित इत्यादि बंगाल में नहीं चलता है। गत 45 साल यहां के धर्मिक और सामाजिक साथ ही मेहनती और लगनशील लोगों की आवाज को इन्हीं तथाकथित प्रगतिशील लोगों ने दबाकर रखा था जो बंगाल चुनाव परिणाम के रूप में साकार हुई है। बंगाल अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के कुशल प्रशासनिक ढांचे में सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ साथ धार्मिक संस्कारों में फलीभूत होते हुए फि र से अपनी उर्वरता हासिल करते हुए देश को और विकसित करने में अपना शाश्वत योगदान देता रहेगा। समूचे बंगाल को इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

किराये की संतान : बुर्जुगों के संकट को गंभीरता से ले सरकार

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती।

ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं।

दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं।

हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कमर्चारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है।

अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

बदलता छत्तीसगढ़ : वनोपज की चमक से संवरती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

हरा सोना, नई उड़ानरू वनोपज से आत्मनिर्भरता की ओर छत्तीसगढ़

धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक और अशोक कुमार चंद्रवंशी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी रायपुर

छत्तीसगढ़, जिसे हर्बल स्टेट के रूप में जाना जाता है, आज अपनी समृद्ध वन संपदा और दूरदर्शी शासकीय नीतियों के बल पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दे रहा है। यहां के वनों से प्राप्त होने वाला श्ग्रीन गोल्डश अब केवल स्थानीय उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक बाजारों में अपनी चमक बिखेर रहा है। छत्तीसगढ़ की यह पहल न केवल वनों का संरक्षण कर रही है, बल्कि ग्रामीण समाज में स्वावलंबन, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की एक नई चेतना का संचार कर रही है।

ग्रीन गोल्ड (हरा सोना) वनों की असली पूँजी छत्तीसगढ़ में वनोपज को 'हरा सोना' कहा जाता है, जो राज्य की आर्थिक रीढ़ है। तेंदूपत्ता एवं बांस बहुमुखी उपयोगिता के कारण इन्हें प्रमुखता से श्हरा सोनाश माना जाता है। लाख, शहद और दुर्लभ औषधीय पौधों के साथ-साथ सागौन, साल, बीजा और शीशम जैसे कीमती वृक्ष यहाँ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। आधुनिक प्रसंस्करण के माध्यम से इन कच्चे माल को उच्च मूल्य के उत्पादों में बदला जा रहा है।

जामगांव एम केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा लोकार्पित यह इकाई वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था का पावरहाउस है। आंवला, बेल, गिलोय और अश्वगंधा जैसे उत्पादों को जूस, कैंडी और हर्बल पाउडर में परिवर्तित किया जाता है। वैज्ञानिक भंडारण यहाँ 20 हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले अत्याधुनिक गोदाम हैं, जो उपज को सुरक्षित रखते हुए संग्राहकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाते हैं।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स स्थानीय से वैश्विक तक राज्य सरकार का यह आधिकारिक ब्रांड शुद्धता और प्राकृतिक उत्पादों का पर्याय बन चुका है। संजीवनी स्टोरों की संख्या 30 से बढ़कर अब 1,500 से अधिक हो गई है। ई-कॉमर्स अब ये उत्पाद अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध हैं। प्रमुख उत्पाद भृंगराज तेल, नीम तेल, च्यवनप्राश, शुद्ध शहद, महुआ उत्पाद, बेल शर्बत और विभिन्न आयुर्वेदिक चूर्ण।

महिला सशक्तिकरण अर्थव्यवस्था की रीढ़

इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में महिला स्व-सहायता समूह हैं। दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों की महिलाएं मशीन संचालन, गुणवत्ता परीक्षण और पैकेजिंग का कार्य संभाल रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन में कमी आई है और परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह मॉडल आदिवासी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का सफल उदाहरण है।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट (2025)

भविष्य की राह को देखते हुए वर्ष 2025 में स्थापित इस यूनिट ने छत्तीसगढ़ को श्हर्बल मैन्युफैक्चरिंग हबश के रूप में स्थापित कर दिया है। यहाँ औषधीय पौधों से उच्च गुणवत्ता वाले अर्क तैयार किए जाते हैं, जिनकी भारी मांग अंतर्राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल और वेलनेस इंडस्ट्री में है। राज्य अब केवल कच्चा माल देने वाला क्षेत्र नहीं, बल्कि परिष्कृत उत्पादों का निर्माता बन गया है।

मिलेगी 'रोशनी की आजादी' — 75 साल बाद पहली बार पहुंचेगी वार्डों में सरकारी बिजली

नई दृष्टिबिंदु / चिरमिरी

कल्पना कीजिए — देश आजाद हुआ, दशक बदले, सरकारें बदलीं, लेकिन चिरमिरी के एस.ई.सी.एल. क्षेत्र के आस पास के हजारों परिवार आज तक एक बुनियादी सुविधा से महरूम रहे — वो सुविधा जिसे हम सब बहुत जरूरी मानते हैं... अपनी खुद की सरकारी बिजली।

75 साल की यह दास्तान अब खत्म हो रही है

चिरमिरी के एस.ई.सी.एल. क्षेत्र में रहने वाले लोग पीढ़ियों से कोयले की खदानों के बीच रहते आए, लेकिन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की सरकारी बिजली उनके घरों तक कभी नहीं पहुंची। बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग यही सोचते रहे कि उन्हें शायद कोयला खदान की उस बिजली के भरोसे ही रहना होगा जो आती कम और जाती ज्यादा है।

मुख्यमंत्री साय का वादा, अब हकीकत बना

9 दिसंबर 2024 को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी- भरतपुर के प्रवास के दौरान नगर निगम चिरमिरी में उरढऊछ से बिजली आपूर्ति की घोषणा की थी। यह महज एक राजनीतिक घोषणा नहीं थी — यह उन लाखों आंखों की उम्मीद थी जो दशकों से टकटकी लगाए बैठी थीं।

अब वह वादा पूरा हो रहा है

8 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार राज्य शासन की मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत 30 मार्च 2026 को 53.08 करोड़ की राशि चिरमिरी नगर निगम को आवंटित की गई। पुराने बजट की शेष 0.49 करोड़ की राशि मिलाकर कुल 53.57 करोड़ से अधोसंरचना विकास कार्य अब वर्ष 2026-27 में प्रारंभ होगा।

मंत्री जायसवाल ने जताया सीएम साय का आभार

क्षेत्र के स्थानीय विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का ह्रदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा — "यह सिर्फ सरकारी बिजली नहीं है, यह चिरमिरी के लोगों को उनका हक मिलना है। आजादी के बाद से जो सपना अधूरा था, मुख्यमंत्री जी की दूरदृष्टि और संवेदनशीलता से वो पूरा हो रहा है। मैं क्षेत्र की जनता की ओर से उनका अभिनंदन करता हूं।"

अब बदलेगी ज़िंदगी, एक ऐतिहासिक क्षण

53.08 करोड़ की इस परियोजना से चिरमिरी के एस.ई.सी.एल. क्षेत्र के सभी वाडी में CSPDCL का पूर्ण विद्युत अधोसंरचना नेटवर्क बिछाया जाएगा। जिस धरती ने देश को कोयले से रोशन किया, आज उसी धरती के लोगों को बिजली का उजाला मिलने जा रहा है। चिरमिरी के डोमनहिल, गेल्हापानी, कोरिया कॉलरी व पोड़ी जैसे दूरस्थ क्षेत्र जहां सरकारी बिजली एक सपने जैसा था, वो क्षेत्र भी अब सरकारी बिजली से रोशन होने वाले है। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय है। चिरमिरी की आंखों में आज जो चमक है वो किसी बल्ब की नहीं, उनकी उम्मीद पूरी होने की रोशनी है।

निगम आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव पास होने के बावजूद पद पर बने हैं राजीव पांडेय

महापौर ने कलेक्टर से की शिकायत, एमआईसी सदस्यों के साथ पहुंचे कलेक्टर कार्यालय, बोले- बिल पास करना आर्थिक अनियमितता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय को पद से हटाने का प्रस्ताव सामान्य सभा में सर्वसम्मति से पास होने के बावजूद उनके पद पर बने रहने और ठेकेदारों के बिल पास करने का मामला तूल पकड़ गया है। महापौर नीरज पाल और एमआईसी सदस्यों ने शनिवार को कलेक्टर से मुलाकात कर आयुक्त की मनमानी की शिकायत की।

25 मार्च को पास हुआ था संकल्प

महापौर ने कलेक्टर को बताया कि 25 मार्च 2026 को हुई सामान्य सभा की बैठक में नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 54(2) के तहत आयुक्त राजीव कुमार पांडेय को पद से तत्काल हटाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

किया गया था। इसके बाद आयुक्त को पद पर बने रहने, बिल पास करने या सरकारी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने का अधिकार नहीं है।

बिल पास करना अनियमितता की श्रेणी में

महापौर का आरोप है कि प्रस्ताव पारित होने के बावजूद आयुक्त लगातार ठेकेदारों के बिल पास कर रहे हैं, जो आर्थिक अनियमितता की श्रेणी में आता है। गत दिनों एमआईसी की बैठक में आयुक्त को हटाने के संकल्प को दोबारा पारित किया गया।

शासन को नहीं भेजी संकल्प की कॉपी

महापौर नीरज पाल ने कहा कि सामान्य सभा में पास संकल्प की कॉपी शासन को भेजी जानी थी, लेकिन आयुक्त ने सूचना तक नहीं दी और कॉपी दबा दी। उन्होंने कलेक्टर से मांग की कि शासन को मामले की सूचना दें और संकल्प की कॉपी भेजें।

जनहित के मुद्दों पर भी हुई चर्चा

इस दौरान निगम सभापति गिरवर बंटी साहू भी मौजूद रहे। बैठक में एमआईसी सदस्य सीजू एंथोनी, एकांश बंछोर, केशव चौबे, चंद्रशेखर गवई, साकेत चंद्राकर, रीता सिंह गेरा, नेहा साहू और लाल चंद वर्मा शामिल हुए। जनहित के विभिन्न मुद्दों पर भी कलेक्टर से चर्चा की गई।

खास खबर

देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को 'औकात' दिखाने की बात लोकतांत्रित मर्यादा का उल्लंघन - मनीष पाण्डेय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भाजपा युवा नेता मनीष पाण्डेय ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री आवास का घेराव करते हुए देवेंद्र यादव छात्रसंघ चुनाव की मांग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की औकात दिखाने की बात कही, जो न केवल असंवेदनशील है बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं का भी उल्लंघन है।

श्री पाण्डेय ने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस की सरकार पाँच वर्षों तक छत्तीसगढ़ में रही और भूपेश बघेल मुख्यमंत्री थे, तब देवेंद्र यादव ने कभी छात्रसंघ चुनाव की मांग क्यों नहीं उठाई ? चुनाव आते ही युवाओं के मुद्दों को हवा देना और मंच पर भाषण देकर खुद को जननेता साबित करना, यह केवल अवसरवादी राजनीति है। उन्होंने कहा कि देवेंद्र यादव ने अपने भाषण में जंगलों की कटाई और हसदेव के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरने की कोशिश की। जबकि हकीकत यह है कि हसदेव क्षेत्र में पेड़ों की कटाई का प्रस्ताव कांग्रेस सरकार के समय ही आया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वयं कहा था कि ‌ह्लअगर पेड़ नहीं काटे जाएंगे तो सब अपनी बिजली छोड़ दें ‌ह्व ऐसे में आज भाजपा पर आरोप लगाना और प्रधानमंत्री-गृहमंत्री को औकात दिखाने की बात करना जनता को गुमराह करने का प्रयास है।

श्री पाण्डेय ने कहा कि देश के 22 राज्यों में भाजपा और एनडीए की सरकारें हैं। यह जनता का विश्वास और सुशासन का परिणाम है। ऐसे में प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की औकात पर सवाल उठाना वास्तव में जनता की समझ और लोकतांत्रिक जनादेश का अपमान है। उन्होंने कहा कि औकात की बात अगर करनी है तो राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी से पूछिए कि क्यों कांग्रेस आज देशभर में सिमटती जा रही है। उन्होंने विधायक देवेंद्र यादव के भिलाई में लगाए गए बड़े-बड़े होर्डिंग्स पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि व्यवहारिकता शब्दों से नहीं, कर्मों से झलकती है। लेकिन देवेंद्र यादव की व्यवहारिकता केवल भाषणों और पोस्टरों तक सीमित है । मनीष पाण्डेय ने मांग की कि देवेंद्र यादव सार्वजनिक रूप से माफी माँगें। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता और देश का हर नागरिक इस प्रकार की भाषा को स्वीकार नहीं करेगा। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन मर्यादा और सम्मान बनाए रखना हर जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग/भिलाई। होली खेलने के दौरान हुए विवाद में युवक पर ईंट से हमला कर हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे तीसरे आरोपी को वैशाली नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मनोहर टंडन को उसके घर से घेराबंदी कर पकड़ा गया। मामले में दो आरोपी पहले ही न्यायिक रिमांड पर जेल भेजे जा चुके हैं।

खड़े होने की बात पर हुआ था विवाद : 4 मार्च 2026 को प्रार्थी नंदन कुमार साव, 24 वर्ष, निवासी जैतखाम बी.एम. शाह अस्पताल के पास, अपने दोस्त के साथ राजीव नगर जैतखाम के पास होली खेल रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के अमन और मनोहर वहां पहुंचे। खड़े होने की बात को लेकर विवाद बढ़ा और आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए ईंट से नंदन के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोट आई।

10 मई को हुई गिरफ्तारी : प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना वैशाली नगर में अपराध क्रमांक 100/2026 धारा 109, 296, 118(1), 119(1), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया। विवेचना में आरोपी अमन मारकण्डेय और कली उर्फ कली बाई को पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

मुख्य आरोपी मनोहर टंडन, 21 वर्ष, निवासी शास्त्री नगर कैम्प-1, थाना छावनी, घटना के बाद से फरार था। मुखबिर से सूचना मिली कि वह घर आया है। 10 मई को पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में अपराध स्वीकार करने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

घटना में प्रयुक्त ईंट जब्त : पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ईंट जब्त कर ली है। वैशाली नगर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि विवाद की स्थिति में कानून हाथ में न लें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें।

विश्व रेडक्रॉस दिवस पर बेमेतरा दल ने राज्य स्तर पर बनाई विशेष पहचान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर 8 मई से रेडक्रॉस स्थापना सप्ताह की शुरुआत करते हुए राज्य कार्यालय द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह में राज्य स्तरीय विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बेमेतरा जिले से जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस के दल को शासकीय पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीना त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक, चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के स्वयंसेवकों एवं काउंसलरों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

बेमेतरा जिले की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया। पीएम श्री सेजेस राठी एवं सेजेस कन्या विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी, वहीं शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोडगिरि की छात्राओं ने प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत कर सराहना प्राप्त की। चित्रकला प्रतियोगिता में सेजेस राठी के छात्र सागर श्रीवास ने पूरे राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया।

यूथ रेडक्रॉस से शासकीय पी.जी. महाविद्यालय के प्रभारी सम्माननीय द्विवेदी जी एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं जूनियर रेडक्रॉस से श्रीमती वीना वर्मा, मो. जावेद, अनूप सिंह तथा अंकित निर्मलकर जैसे काउंसलरों के विशेष प्रयासों से जिले में रेडक्रॉस गतिविधियों को निरंतर सक्रियता मिली है।

जिले में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तर पर माननीय गजेंद्र यादव, मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा योगेश साहू एवं सुश्री निधी शर्मा को सम्मानित किया गया। दोनों लंबे समय से रेडक्रॉस गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान देते आ रहे हैं।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा बेमेतरा की कलेक्टर एवं अध्यक्ष सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, सचिव अमृत लाल रोहलदार, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीना त्रिपाठी तथा जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. चतुर्वेदी ने पूरी टीम की सराहना करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल बेमेतरा में महिलाओं के लिए कैंसर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। साथ ही रेडक्रॉस की छात्राओं एवं सहायक जिला रेडक्रॉस अधिकारी युवराज सिंह बनाफर द्वारा लोगों को रेडक्रॉस स्टीकर लगाकर सहयोग स्वरूप दान राशि एकत्रित की गई। उपेंद्र सिंह सेंगर, जिला संगठक रेडक्रॉस के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बेमेतरा जिले के रेडक्रॉस दल ने राज्य स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

सर्वसमाज संगठन ने पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन द्वारा संगठन के पदाधिकारियों की कार्यक्षमता एवं नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए रविवार को कबीर वाटिका नेहरू नगर में प्रदेश स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कायर्शाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश, संभाग, जिला व तहसील स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

जनता से जुड़ाव के लिए जनकल्याण पर जोर

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने कहा कि संगठन को कॉलेजों में कैरियर गाइडेंस, रक्तदान, वृक्षारोपण, जरूरतमंदों का सहयोग और ग्रामीणों के हित संवर्धन जैसे जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे आम जनता से जुड़ाव बढ़ेगा। अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष मेघनाथ यादव ने की।

संगठनात्मक कार्यों पर दी गई ट्रेनिंग

प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन के नेतृत्व में वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संगठन की संरचना, पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां, प्रभावी नेतृत्व, टीमवर्क, अनुशासन, वित्तीय प्रबंधन और कार्य पारदशिर्ता जैसे विषयों पर जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की सफलता पदाधिकारियों की सक्रियता, समर्पण और अनुशासन पर निर्भर करती है।

नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र

कार्यशाला में संगठन का विस्तार करते हुए लक्ष्मण सिंह साहू को जिला उपाध्यक्ष राजनांदगांव, पन्ना लाल देवांगन को तहसील अध्यक्ष छुरिया, गिरीश कुमार सोनी को तहसील अध्यक्ष डोंगरगांव, हिरेन्द्र कुमार वैष्णव को तहसील उपाध्यक्ष डोंगरगांव और हुकुमचंद साहू को अध्यक्ष दीवान भेड़ी नियुक्त कर सम्मानित किया गया।

कविता पाठ से बांधा समां

डॉ. कृष्ण कुमार पाटिल, कृपाराम साहू और बेनी राम बघेल ने सस्वर कविताओं का पाठ कर माहौल बनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। कायर्शाला में महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका सुमन देवांगन, अध्यक्ष कुमुद ताम्रकार, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष शुभ्रकांत ताम्रकार सहित संत कुमार केशकर, ब्रम्हदेव पटेल, लखनलाल साहू समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। अंत में सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और समाज सेवा को गति देने का संकल्प लिया। संचालन विजय रात्रे और आभार प्रदर्शन जीवन सिन्हा ने किया।

विशेष पिछड़ी जनजाति के 21 हजार आवास पूर्ण, छूटे परिवारों का दोबारा सर्वे जारी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य में विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए चलाए जा रहे पीएम जनमन अभियान के तहत अब तक 33 हजार से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से करीब 21 हजार आवास पूर्ण भी हो गए हैं। जो हितग्राही पहले छूट गए थे, उनके लिए भारत सरकार से विशेष अनुमति लेकर दोबारा सर्वे का काम जारी है। सर्वे पूरा होते ही पात्र परिवारों को तत्काल आवास स्वीकृत किए जाएंगे।

वायरल वीडियो पर सीईओ ने दी सफाई

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो पर जिला पंचायत सीईओ गरियाबंद प्रखर चंद्राकर ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर में आया विशेष पिछड़ी जनजाति का परिवार पहले छत्तीसगढ़ में नहीं रह रहा था।

उड़ीसा में रहने के कारण छूटे हितग्राही का भी होगा सर्वे, समाधान शिविर में बना राशन-जॉब कार्ड

परिवार उड़ीसा में निवासरत था। इसी कारण 2011 और 2018 के आवास सर्वे में उनका नाम शामिल नहीं हो सका था।

2024 के सर्वे में भी नहीं थे मौजूद

सीईओ ने बताया कि 2024 में हुए नवीन सर्वेक्षण के दौरान भी परिवार गांव में नहीं था और उड़ीसा में रह रहा था। परिवार कुछ दिन पहले ही छत्तीसगढ़ लौटा है। लौटने के बाद पीएम जनमन योजना के तहत उनका सर्वे पूरा कर लिया गया है। जल्द ही आवास स्वीकृत कर दिया जाएगा।

शिविर में ही बने दस्तावेज

जिला प्रशासन ने बताया कि उड़ीसा में रहने के कारण परिवार का राशन कार्ड और अन्य दस्तावेज नहीं बने थे। समाधान शिविर में तत्परता दिखाते हुए उनका राशन कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड तुरंत बनवाया गया। आयुष्मान कार्ड की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पात्र परिवारों को मिलेगा लाभ

सीईओ चंद्राकर ने कहा कि जिले में पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवार अलग-अलग बसाहटों में रहते हैं, इसलिए बार-बार सर्वे कर हितग्राहियों को जोड़ा जा रहा है। शेष पात्र परिवारों की सूची तैयार कर ली गई है। भारत सरकार से स्वीकृति मिलते ही आवास दिए जाएंगे। जिला प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि शासन-प्रशासन हर कदम पर परिवारों के साथ है।

अछोटी में होगा जीवन विद्या अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2026, 22 राज्यों और 11 देशों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

मानवीय शिक्षा शोध केंद्र ने 6 क्विंटल चावल दान किया, शिक्षकों-किसानों ने जुटाए लाखों

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी-अहिवारा

बाबा जी की कर्मस्थली अभ्युदय संस्थान अछोटी, दुर्ग में जीवन विद्या अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में भारत के 22 राज्यों और संसार के 11 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

चेतना विकास मूल्य शिक्षा पर मंथन

सम्मेलन का आधार भारतीय ज्ञान परंपरा और जीवन विद्या होगा। इसमें चेतना विकास मूल्य शिक्षा, परिवार मूलक ग्राम स्वराज्य, शिक्षा का मानवीयकरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, प्राकृतिक खेती, आयुर्वेद, पर्यावरण संरक्षण और निपुण भारत मिशन जैसे विषयों पर चर्चा होगी। मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदुवाही महासमुंद के संचालक गेंदलाल कोकडिया ने बताया कि अभ्युदय संस्थान दुनिया के पवित्र स्थानों में से एक है।

सभा संचालन और मांग का समर्थन

सम्मेलन का संचालन अंतर्राष्ट्रीय मानव वैज्ञानिक डॉ. संकेत ठाकुर करेंगे। अंबा दीदी संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में मौजूद रहेंगी। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत और विदाई हस्तमुक्त विधि से करने का आग्रह किया। सभा में शिक्षक गेंदलाल कोकडिया की चेतना विकास मूल्य शिक्षा को छत्तीसगढ़ समेत भारत सरकार के स्कूली पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से शामिल करने की मांग का समर्थन किया गया।

शिक्षकों-किसानों ने दिया तन-मन-धन

सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सरकारी

शिक्षकों, किसानों और समाजसेवकों ने स्वस्फूर्त सहयोग की घोषणा की है। मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदुवाही ने भोजन व्यवस्था के लिए 6 क्विंटल पतला वेरायटी श्रीराम धान का चावल दान करने की घोषणा की, जिसका मूल्य लगभग 1.20 लाख रुपये है। यह चावल प्राकृतिक और जैविक खाद से उगाया गया है।

इसके अलावा अभ्युदय संस्थान आंवरी चारामा के शिक्षक हीरालाल साहू, सोहन लाल मरकाम, चंद्रहास साहू, प्रभुराम गगबेर और लोकेश साहू ने 1 लाख रुपये, मानव जागृति सेवा संस्थान रायगढ़ के शिक्षक सुरेंद्र कुमार गुप्ता, हेमलाल, हिमाचल, शुक्लांबर पटेल, बाबूलाल नायक और उमिर्ला मंगल सिदार ने 50 हजार रुपये, उत्सव पारा सांकरी बालोद के शिक्षक हीरालाल साव, गौरीकांता केके साहू और सुरेश कुमार नेताम ने 1 लाख रुपये तथा मानव मैत्री समिति बोडरा धमतरी के जितेंद्र साहू, शंकर साहू और प्रीतम साहू ने 25 हजार रुपये देने की घोषणा की है।

आयोजकों ने बताया कि सम्मेलन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूरा करने और सुखी-समृद्ध व्यक्ति, परिवार, देश और विश्व की परिकल्पना को साकार करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

ओटीटी पर सैफ अली खान का दिखेगा नया अवतार, रसिका दुग्गल संग पहली बार जमेगी जोड़ी

अभिनेता सैफ अली खान की क्राइम थ्रिलर 'कर्तव्य' ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। फिल्म में सैफ एक ऐसा किरदार निभाते नजर आएंगे, जो अपने पेशेवर 'कर्तव्य' और 'परिवार' के बीच बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में अभिनेता पहली बार रसिका दुग्गल के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अभिनेत्री रसिका अपनी बेहतरीन अदाकारी और संजीदा किरदारों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फिल्म में सैफ अली खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को 'शानदार' बताया। उन्होंने सैफ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना बेहद सहज और मजेदार रहा। उन्होंने सैफ के व्यक्तित्व पर रोशनी डालते हुए कहा, 'सेट पर एक ऐसा सह-कलाकार मिलना वाकई सुखद होता है, जिसका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का हो। सैफ के साथ काम करना मनोरंजन से भरपूर था। वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' रसिका ने फिल्म जगत में सैफ अली खान के लंबे और सफल करियर की भी सराहना की। सैफ ने समय के साथ खुद को लगातार बदला है और हर बार एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आए हैं। यही कारण है कि वह आज भी इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं। यह ड्रामा फिल्म एक पुलिस ऑफिसर के सफर को दिखाएगी, जो अपनी ड्यूटी के बोझ और अपने परिवार की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाते हुए बढ़ते खतरों का सामना करता है। यह फिल्म एक ऐसी क्राइम थ्रिलर है, जो मानवीय संवेदनाओं और कानून के बीच के संघर्ष को दर्शाती है। फिल्म में सैफ और रसिका के अलावा संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, मनीष चौधरी और सौरभ द्विवेदी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने की उम्मीद है।

अदा शर्मा ने बताया अपनी सफलता का पैमाना

बॉलीवुड अभिनेत्री अदा शर्मा का मानना है कि उनके लिए सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों या समीक्षकों की तारीफ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके लिए यह मायने रखता है कि वह अपने अभिनय से दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ पा रही हैं। जब अदा शर्मा से पूछा गया कि करियर के इस पड़ाव पर वह सफलता को कैसे मापती हैं, तो उन्होंने जवाब में बताया, 'बॉक्स ऑफिस उस शोर मचाने वाले दोस्त की तरह है जो चिल्लाता है 'द केरल स्टोरी ने 375 करोड़ कमाए, यह फिल्म महिला प्रधान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है', और निश्चित रूप से जब ऐसा होता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार भी महसूस करती हूं, लेकिन आपके काम की आलोचनात्मक समीक्षा उस बुद्धिमान मित्र की तरह है जो ज्यादा नहीं बोलता, लेकिन जब वह तारीफ करता है तो आपको ऐसा लगता है जैसे आपने कोई परीक्षा पास कर ली है।' 2008 में हिंदी हॉरर फिल्म '1920' से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस किया था।

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'संख्याएं और राय आती-जाती रहती हैं; मेरे लिए जो मायने रखता है वह यह है कि दर्शक दृश्यों पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, प्रदर्शन और संवादों को कैसे याद रखते हैं।'

'द केरल स्टोरी' से अपार सफलता हासिल करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि उनके प्रशंसक आज भी 1920 और सनफ्लावर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के बारे में बात करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझसे मिलने वाले बहुत से लोग मुझे बताते हैं कि 1920 ने उन्हें कैसे डरा दिया, सनफ्लावर ने उन्हें कैसे हंसाया और द केरल स्टोरी ने उन्हें कैसे रुलाया।

अदा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'गवर्नर: द साइलेंट सेवियर' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। खबरों के मुताबिक, यह फिल्म एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है, जिन्होंने भारत के 1991 के आर्थिक संकट के दौरान आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य किया और देश के वित्तीय बचाव काल से उनका गहरा संबंध था। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक इन दावों की पुष्टि नहीं की है और यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म वाकई उन्हीं पर आधारित है या नहीं। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। उन्हें आखिरी बार विक्रम भट्ट की फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में देखा गया था, जो इंदिरा आईवीएफ के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में अनुपम खेर, इश्वक सिंह, अदा शर्मा और ईशा देओल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

राघव जुयाल और कोमल पावस्कर की नई जोड़ी है 'इकाई' की सबसे बड़ी खासियत

मुंबई विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर 'इकाई' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है, और फिल्म की सबसे दिलचस्प बातों में से एक है राघव जुयाल और डेब्यू कर रही कोमल पावस्कर की ताजा ऑन-स्क्रीन जोड़ी। जहां फिल्म रोमांस और सस्पेंस का दिलचस्प मिश्रण पेश करने का वादा करती है, वहीं सूत्रों के मुताबिक राघव और कोमल के बीच की केमिस्ट्री इस प्रोजेक्ट का एक अहम आकर्षण बनकर सामने आई है। कहा जा रहा है कि उनकी जोड़ी कहानी में एक अलग ही भावनात्मक गहराई और ताज़गी जोड़ती है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, ''इकाई' की सबसे बड़ी ताकतों में से एक राघव और कोमल के बीच का डायनामिक है। जहां राघव अपने अनप्रेडिक्टेबल और मैग्नेटिक अंदाज़ के साथ आते हैं, वहीं कोमल की सहज और नैचुरल मौजूदगी उन्हें स्क्रीन पर तुरंत आकर्षक बनाती है। ऐसे में दोनों मिलकर एक ऐसी केमिस्ट्री बनाते हैं, जो रॉ होने के साथ-साथ विश्वसनीय और ताज़गी से भरपूर है।' सूत्र ने आगे यह भी कहा कि इस जोड़ी की एक खासियत यह भी है कि यह पारंपरिक नहीं लगती। जिस तरह से दोनों एक-दूसरे को पूरा करते हैं, उसमें एक भावनात्मक ईमानदारी है, और यह कहानी को एक अलग टेक्सचर देती है। यही वजह है कि उनकी परफॉर्मेंस के साथ उनका आपसी कनेक्शन फिल्म के सबसे बड़ी चर्चा का विषय बन गया है।

अपनी अलग और दिलचस्प भूमिकाओं के जरिए अपने दर्शकों को अपने किरदारों से लगातार चौंकाते आ रहे राघव जुयाल के साथ अपनी पहली फिल्म इकाई' से डेब्यू कर रहीं कोमल पावस्कर भी सुर्खियों में आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐसे में 'इकाई' एक ऐसी नई जोड़ी पेश करने जा रही है, जो ताज़गी और यादगार प्रभाव दोनों लेकर आ सकती है। फिलहाल जैसे-जैसे फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, वैसे-वैसे इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि 'इकाई' एक नई और दिलचस्प ऑन-स्क्रीन जोड़ी की शुरुआत साबित हो सकती है, जो इंटेंसिटी, ताज़गी और केमिस्ट्री का अनोखा संगम पेश करेगी।

सयानी गुप्ता को मिला 'पर्सन ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड

एक्ट्रेस सयानी गुप्ता को बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्हें कहानी कहने के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने 'पर्सन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से नवाजा है। अभिनेत्री का ग्लोबल लेवल पर सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। यह सम्मान अलग-अलग क्षेत्रों में साउथ एशियन लोगों की बड़ी उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह सम्मान उन लोगों को पहचान देता है जिनके काम ने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई हो। एसोसिएशन ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, 'हम हर साल ऐसे किसी व्यक्ति को सम्मानित करते हैं, जिसके काम ने सार्वजनिक जीवन में साउथ एशियन पहचान को व्यक्त करने के तरीके को आकार दिया हो।' उनके काम की तारीफ करते हुए एसोसिएशन ने कहा, 'सयानी की एक्टिंग ने लगातार पुरानी सोच को चुनौती दी है। वह आज के दौर की कहानियों में गहराई, बेबाकी और सच्चाई लाई हैं। वह सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को आकार देने में एक दमदार आवाज बन गई हैं।'

निर्देशक बनेंगी सयानी

एक्टिंग के अलावा, सयानी अब अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं। अब वह लेखक और निर्देशक की भूमिका निभाएंगी।

इन फिल्मों में नजर आईं सयानी

बता दें कि सयानी ने अपनी एक्टिंग के दम पर अपने लिए एक मजबूत जगह बनाई है। वह गहराई और लीक से हटकर चुने गए किरदारों के लिए जानी जाती हैं। सयानी 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!', 'एक्सोन', 'आर्टिकल 15', 'इनसाइड एज' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए काफी मशहूर हैं।

मानुषी छिल्लर के साथ हिमेश रेशमिया जमाएंगे रंग

मशहूर गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया एक बार फिर अपने प्रशंसकों के लिए नया गाना 'शराब' लेकर आ रहे हैं। यह एक हाई-एनर्जी ट्रैक है, जिसका फर्स्ट लुक गायक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस गाने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पहली बार हिमेश रेशमिया और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर नजर आने वाली हैं। इस जोड़ी को एक साथ पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए काफी रोमांचक अनुभव होने वाला है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफी मशहूर जोड़ी पीयूष और शाजिया ने की है, जो अपने अनोखे डांस स्टेप्स के लिए जाने जाते हैं। गाने को खुद हिमेश रेशमिया ने गाया है, लेकिन इस बार संगीत की कमान रजत नागपाल ने संभाली है। गाने के बोल राणा सोतल ने लिखे हैं, जिनसे उम्मीद की जा रही है कि वे युवाओं की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। हिमेश रेशमिया ने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर कर लिखा, 'जय माता दी। चलो धमाल मचाते हैं। एक बार सुनना काफी नहीं होगा। शराब के लिए बने रहें। टीजर मंगलवार सिर्फ यूट्यूब चैनल पर आएगा।' गाने के पोस्टर का फर्स्ट लुक आते ही फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। हाई-एनर्जी गानों के लिए मशहूर हिमेश और ग्लैमरस मानुषी छिल्लर की केमिस्ट्री इस गाने में कैसी दिखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह एक स्टाइलिश और बड़े स्तर पर फिल्माया गया म्यूजिक वीडियो होगा। हिमेश रेशमिया के नॉन-फिल्मी एल्बमों ने भारतीय संगीत जगत पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। उनके एल्बम 'आप का सुरूर' की कथित तौर पर 55 मिलियन से ज्यादा कॉपियां बिकीं, जिससे यह दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला नॉन-फिल्मी एल्बम बन गया। यह सिर्फ 'थ्रिलर' के बाद दूसरे नंबर पर है।

रश्मिका मंदाना से क्यों आकर्षित होती हैं कृति सेनन? साझा किया 'कॉकटेल 2' में काम करने का अनुभव

अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। पहली बार कृति सेनन और रश्मिका मंदाना साथ में नजर आएंगी। अक्सर जब दो ए लिस्ट एक्ट्रेस एक ही फिल्म में आती हैं, तो चर्चाएं बटोरती हैं। अब हाल ही में कृति ने रश्मिका के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया है।

रश्मिका बहुत अच्छी हैं

हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट में कृति सेनन ने रश्मिका मंदाना के साथ 'कॉकटेल 2' में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि रश्मिका बहुत ही सच्ची, दयालु, प्यारी और मिलनसार हैं। उनमें जरा भी इनसिक्योरिटी नहीं है। बस अच्छाई ही अच्छाई है और मुझे लगता है कि मैं पॉजिटिव एनर्जी से अट्रैक्ट होती हूं। अगर मुझे किसी की ऊर्जा और पॉजिटिविटी महसूस होती है, तो मैं उसकी ओर आकर्षित हो जाती हूं। मुझे उनके साथ काम करके बहुत मजा आया, और वह कमाल की हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करती हूं।

यह सीक्वल नहीं है

कृति ने 'कॉकटेल 2' और 2012 में आई 'कॉकटेल' के बीच होने वाली तुलना पर भी बात की। एक्ट्रेस ने स्पष्ट किया कि यह 'कॉकटेल' का सीधा सीक्वल नहीं है। यह एक अलग कहानी और किरदारों वाली फ्रेंचाइज फिल्म है। तुलनाओं के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा कि मुझे यकीन है कि तुलना तो होगी ही, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह कोई सीक्वल नहीं है। यह एक फ्रेंचाइज है। इसलिए यह एक अलग ही माहौल वाली फ्रेंचाइज है और इसके किरदार अलग-अलग हैं।

2021 में आई थी 'कॉकटेल'

साल 2012 में आई 'कॉकटेल' में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। 'कॉकटेल' अपने संगीत, किरदारों और आधुनिक रिश्तों के ड्रामे के लिए कई साल से एक कल्ट फिल्म बन गई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही थी और इसे पसंद किया गया था।

19 जून को रिलीज होगी

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद से ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। कई लोगों का मानना है कि फिल्म शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना के बीच लव ट्रायंगल पर आधारित होगी। निर्देशक होमी अदजानिया ने भी इन अफवाहों पर मजाकिया प्रतिक्रिया दी थी। फिल्म का गाना 'जब तलक' भी काफी पॉपुलर हो रहा है।

सकारात्मक, तथ्यपरक और राष्ट्रहितकारी पत्रकारिता को बढ़ावा देने का लिया संकल्प

विश्राम गृह कवर्धा में नारद जयंती और पत्रकार सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

विश्व संवाद केंद्र छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में शनिवार को विश्राम गृह कवर्धा में नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक, तथ्यपरक एवं राष्ट्रहितकारी पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना रहा। दीप प्रज्वलन एवं देवर्षि नारद जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार, बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता आर कृष्णा दास (सलाहकार, मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन) ने कहा —देवर्षि नारद विश्व के आदि पत्रकार थे, जिन्होंने लोककल्याण हेतु संवाद का कार्य किया। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, परंपरा, नैतिक मूल्यों और सनातन विचारों को सशक्त करना भी है। उन्होंने सोशल मीडिया को

आज का प्रभावशाली माध्यम बताते हुए राष्ट्रविरोधी नैरेटिव का मजबूती से खंडन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश वर्मा (जिला अध्यक्ष प्रेस क्लब कबीरधाम) एवं सूर्य प्रकाश चन्द्रवंशी (जिला अध्यक्ष कबीरधाम प्रेस) ने की। वरिष्ठ समाजसेवी दिलेश्वर उमरे सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया गया।

बोधीराम निषाद ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता एवं नैतिकता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं आयोजन के लिए टिकेश दुबे ने सभी अतिथियों एवं पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम अनुशासित, गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने पत्रकारिता के मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान की।

खास खबर

सिविल सेवा परीक्षा : सुष्मिता सिंह का भारतीय वन सेवा में हुआ चयन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा शुक्रवार शाम को भारतीय वन सेवा परीक्षा 2025 की अन्तिम चयन सूची जारी की गई, जिसमें कुल 148 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस परीक्षा में राजनादगाँव शहर में पली-बढ़ी सुष्मिता सिंह का 32 रैंक के साथ चयन हुआ है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा जेएमजे नवजीवन स्कूल से हुए, वहीं उन्होन रॉयल किड्स स्कूल के बाद जैन इन्टरनेशनल स्कूल बिलासपुर में शिक्षा ग्रहण की वहीं डीपीएस भिलाई से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद युपीईएस देहरादून से कम्पयूटर साइंस में बीटेक करने के एक वर्ष नौकरी के बाद इस्तीफा देकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में लग गई।

सुष्मिता सिंह ने अपने पांचवे प्रयास में भारतीय वन सेवा परीक्षा में में सफलता पायी उनके पिता बीपी सिंह भी भारतीय वन सेवा में अधिकारी रहे। वह वन विभाग में एसडीओ रहते हुए दुर्ग वृत्त के साथ विभिन्न जिलों में कार्य करते हुए मुख्य वन संरक्षक रहे। सुष्मिता सिंह ने बताया कि वह अपनी सफलता का श्रेय अपनी माँ की प्रेरणा एवं पिता के मार्गदर्शन को देती हैं। उन्होने कहा कि इस तरह की, परीक्षा में अभ्यर्थी की कड़ी मेहनत के साथ उसकी मानसिक दृढ़ता, परिवार का समर्थन एवं ईश्वर की कृपा अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2026 के लिए रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों की नियुक्ति

खैरागढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल द्वारा छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के अध्याय-5 के नियम 20 एवं 21 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 के लिए पंच पद निर्वाचन हेतु जनपद पंचायतवार रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

जारी आदेश के अनुसार जनपद पंचायत खैरागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत अमलीडीह कला वार्ड क्रमांक 17, दिलीपपुर वार्ड क्रमांक 10 तथा टेकापार वार्ड क्रमांक 03 के पंच निर्वाचन हेतु श्रीमती पूजा पींचा, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी तहसीलदार खैरागढ़ को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार जनपद पंचायत छुईखदान अंतर्गत ग्राम पंचायत पैलीगेटा वार्ड क्रमांक 11 के पंच निर्वाचन हेतु श्रीमती नेहा ध्रुव, तहसीलदार गंडई को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में जनपद पंचायत खैरागढ़ के लिए हिमांशु गुप्ता, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत खैरागढ़ तथा जनपद पंचायत छुईखदान के लिए श्रीमती केश्वरी देवांगन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत छुईखदान को नियुक्त किया गया है।

नेशनल लोक अदालत में कवर्धा में 31 हजार से अधिक प्रकरणों का किया गया निराकरण

बिछड़े परिवारों में लौटी खुशियां

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ राज्य में 9 मई को तालुका न्यायालय के स्तर से लेकर उच्च न्यायालय तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, के द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। जिसके पश्चात जिला कबीरधाम में आयोजित इस नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कु. संघरत्ना भतपहरी के द्वारा उक्त नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया।

नेशनल लोक अदालत को यादगार बनाने सेल्फी प्वाइंट तथा स्वास्थ्य शिविर की भव्यता नेशनल लोक अदालत में देखते ही बन रही थी। जिला न्यायालय के प्रवेश द्वार पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था, जिसमे पक्षकार अपनी मनमोहक फोटो तस्वीरों के माध्यम से जीवंत रख रहे थे। इस दौरान न्यायालय परिसर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में आये हुए पक्षकारों द्वारा स्वास्थ्य लाभ भी लिया जा रहा था।

उक्त लोक अदालत में जिले में कुल 11 खण्डपीठ गठित किया गया था, जिसमें से 10 खण्डपीठ जिला मुख्यालय कबीरधाम तथा 01 खण्डपीठ व्यवहार न्यायालय पण्डरिया में गठित की गई थी। जिसमें राजीनामा योग्य समस्त दाण्डिक मामले, चेक बाउन्स के प्रकरण, समस्त प्रकार के व्यवहार वाद प्रकरण, मोटर दुर्घटना से उत्पन्न दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण, इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व वाद प्रकरण) यथा बिजली बिल, दूरभाष, बैंक लोन, जल कर से संबंधित प्रकरण रखे गये थे।

उल्लेखनीय है कि, नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क्रमांक 01 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कबीरधाम कु. संघरत्ना भतपहरी द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में कुल 28,60,000 रूपये का अवार्ड राशि पारित किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 02 में परिवार न्यायालय कबीरधाम में पीठासीन अधिकारी प्रवीण कुमार प्रधान, द्वारा परिवार न्यायालय में वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण में कुल 25 प्रकरण का निराकरण करते हुए वैवाहिक संबंधों में मधुरता स्थापित करते हुए सुखद दाम्पत्य का पुर्नस्थापन किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 03 में पीठासीन अधिकारी श्रीमती योगिता विनय वासनिक द्वारा विद्युत प्रकरण में कुल 2,78,997 रूपये राशि का वसूली करते हुए प्रकरण का निराकरण किया गया। इसी अनुक्रम में राजस्व न्यायालय में कुल 22589 लंबित प्रकरणों का निराकरण करते हुए लाभान्वित हितग्राहियों को कुल 10,38,17,286 रूपये का निराकरण किया गया। इस प्रकार जिला कबीरधाम अंतर्गत परिवार न्यायालय, कबीरधाम में उक्त लोक अदालत में वैवाहिक प्रकरणों में 25 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 1,35,900 रूपये का निराकरण, नगर पालिका कबीरधाम द्वारा जलकर तथा अन्य कर से संबंधित मामलों में 184 प्रकरण में 1,20,107 रूपये की वसूली की गई। इस प्रकार लोक अदालत में कुल 31734 लंबित प्रकरण में कुल 10,77,03,433 रूपये का निराकरण किया गया।

वहीं परिवार न्यायालय में एक अन्य मामले में एक नवविवाहित दम्पत्ति जिनका विवाह वर्ष 2025 में संपन्न हुआ था। उनके मध्य मात्र 20-25 दिन बाद से ही उनके बीच विवाद होने से वह दोनों एक-दूसरे से अलग रहने लगे थे और पत्नी द्वारा अपने पति के विरूद्ध परिवार न्यायालय, कबीरधाम में मामला प्रस्तुत किया गया था। परिवार न्यायालय के पीठासीन न्यायाधीश के द्वारा उनके मध्य परामर्श कार्यवाही की गई, जिससे वह दोनो पति-पत्नी द्वारा उनके मध्य उत्पन्न सभी विवादों को भुलाकर पुनः एक साथ रहने हेतु सहमति प्रदान की गई। इस प्रकार दाम्पत्य जीवन में पुनः समझौता के आधार पर खुशहाल जीवन का एकीकरण संपन्न हुआ।

शराब के कारण बिखर चुके परिवार का हुआ एकीकरण

परिवार न्यायालय कबीरधाम में शराबी पति के शराब पीकर अपनी पत्नी तथा 02 बच्चों को परेशान किया जाता था तथा आय के सभी राशि को शराब में ही खर्च कर दिया जाता था। जिससे उस पत्नी द्वारा अपने तथा अपने दो बच्चों के भविष्य को देखते हुए पति से अलग रहकर पति से भरण-पोषण प्राप्त करने हेतु मुकदमा परिवार न्यायालय में संस्थित किया गया था। जिससे पीठासीन अधिकारी के द्वारा उभय पक्षों से बातचीत कर कौटुम्बिक विवाद के वैकल्पिक समाधान के सभी माध्यमों से अवगत कराया गया जिससे उक्त दम्पत्ति द्वारा एक साथ-साथ रहकर जीवन यापन करना स्वीकार किया गया। इस प्रकार विभक्त हो चुके परिवार का एकीकरण लोक अदालत के माध्यम से साकार हुआ।

घुघरी में नाथ योगी समाज का सामाजिक भवन निर्माण कार्य अंतिम चरण में

यह भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सामाजिक एकता और विकास का मजबूत केंद्र बनेगा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा द्वारा प्रदान की गई 20 लाख रुपये की सहयोग राशि से घुघरी में नाथ योगी के बहुप्रतीक्षित सामाजिक भवन का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। समाज के लोगों में भारी उत्साह का माहौल है। वर्षों से सामाजिक भवन की मांग की जा रही थी, जो अब साकार होती दिखाई दे रही है। यह भवन समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

नाथ योगी समाज के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से समाज को एक बड़ी सौगात मिली है। भवन का उद्घाटन बहुत जल्द होने की संभावना जताई जा रही है, जिसकी तैयारियां भी प्रारंभ हो गई हैं। आज निर्माणाधीन भवन का अवलोकन करने पहुंचे गोविन्द नाथ योगी, भृगु नाथ योगी, रघुनाथ योगी सहित समाज के अनेक लोगों ने निर्माण कार्य का निरीक्षण कर खुशी जाहिर की। समाजजनों ने कहा कि यह भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सामाजिक एकता और विकास का मजबूत केंद्र बनेगा। सामाजिक एकता और विकास की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है यह निर्माण कार्य।

मामूली बात पर हुआ विवाद, दोस्त ने दोस्त के सिर पर जानलेवा हमला, मौत

कवर्धा। शहर के ठाकुर पारा इलाके में दिनदहाड़े हुए खूनी वारदात से सनसनी फैल गई। दो युवकों के बीच मामूली बात को लेकर शुरू हुई बहस ने देखते ही देखते खौफनाक रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि दोनों युवक आपस में दोस्त थे। दिनभर साथ घूमने के बाद दोनों ने घर में बैठकर शराब पी।

इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने दूसरे के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। आरोपी को आदतन अपराधी बताया जा रहा है, जो पहले भी जेल जा चुका है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है और मामले की हर एंगल से पड़ताल की जा रही है। कवर्धा में बढ़ते अपराध पर फिर उठे सवाल! क्या शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं?

अवैध शराब बेचते कोचिया को पकड़ा, 35 पौवा देशी शराब जब्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना लालबाग पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोचिया दिनेश मरकाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 35 पौवा देशी प्लेन शराब, 6.300 बल्क लीटर, व बिक्री रकम 300 रुपये समेत कुल 3,100 रुपये का माल जब्त किया गया।

सूचना पर हुई कार्रवाई : पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में 9 मई को सूचना के आधार पर टीम गठित कर आरोपी दिनेश मरकाम, 36 वर्ष, निवासी रेवाडीह पलाश विहार को अवैध रूप से शराब बेचते पकड़ा गया। थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में 35 पौवा देशी शराब जब्त की गई।

आबकारी एक्ट में जेल भेजा : आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ थाना लालबाग में पूर्व में भी प्रतिबंधात्मक धाराओं के प्रकरण दर्ज हैं।

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई : एएसपी कीर्तन राठौर व सीएसपी वैशाली जैन के मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी व अवैध शराब बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि अवैध शराब परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रमेश पटेल, म.प्र.आर. खुशबू नागवंशी, आरक्षक लेखराम वर्मा एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

निर्माणाधीन आईटीआई बालिका छात्रावास से खिड़की चोरी

एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा आरोपी फरार, 20 हजार का सामान बरामद

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना लालबाग पुलिस ने पेंड्री स्थित निर्माणाधीन आईटीआई बालिका छात्रावास से सिल्वर धातु के स्लाइडर फ्रेम चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 20 हजार रुपये कीमत का एल्यूमिनियम सेक्शन व खिड़की के कांच बरामद किए गए। दूसरा आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

रात में निरीक्षण के दौरान पकड़ा गया आरोपी : गार्ड राकेश कुमार कंवर, निवासी ग्राम जंतर, डोंगरगढ़ ने 9 मई को थाना लालबाग में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। छात्रावास भवन में लगी लगभग 60 स्लाइडर खिड़कियों में से कई खिड़कियां चोरी हो गई थीं, जिनकी कीमत करीब 70 हजार रुपये थी।

9 मई की रात करीब 10 बजे निरीक्षण के दौरान गार्ड ने दो व्यक्तियों को खिड़की चोरी करते देखा। एक आरोपी को मौके पर पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम होम बहादुर यादव उर्फ दिनेश, 18 वर्ष, निवासी राजीव नगर वार्ड नं. 33 बसंतपुर बताया।

2 मई को भी की थी चोरी : पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने साथी के साथ मिलकर 2 मई को भी छात्रावास परिसर से स्लाइडर खिड़कियां चोरी की थीं। चोरी के एल्यूमिनियम सामान को बेचकर रकम आपस में बांट ली। आरोपी के पास से एक बोरी में रखे एल्यूमिनियम सेक्शन और कांच जब्त किए गए।

बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज : थाना लालबाग में अपराध क्रमांक 194/2026 धारा 305(ई), 3(5), 331(4) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन व एएसपी कीर्तन राठौर तथा सीएसपी वैशाली जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल, सहायक उप निरीक्षक अश्वनी यदु, आरक्षक संतोष श्रीवास्तव की टीम ने कार्रवाई की।

राजनांदगांव में मस्ती की पाठशाला में बच्चों-युवाओं का उत्साह, महापौर ने दी मदर्स डे की बधाई

गीला कचरा-सूखा कचरा अलग-अलग देने की अपील, जुम्बा-योग से लेकर तीरंदाजी तक का लिया आनंद

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के चौपाटी में शनिवार अलसुबह से ही मस्ती की पाठशाला में बच्चों और युवाओं का उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में पहुंचे बच्चों ने पारंपरिक खेलों, योगा और जुम्बा डांस का जमकर आनंद लिया। महापौर मधुसूदन यादव ने महिलाओं को मदर्स डे की बधाई देते हुए गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने की अपील की।

घर ही पहली पाठशाला : महापौर यादव

महापौर यादव ने कहा कि घर ही पहली पाठशाला होती है, जहां मां बच्चों को कायदे-कानून और संस्कार सिखाती है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि घर में ही कचरा पृथक कर गीला व सूखा कचरा अलग-अलग डिब्बे में रखकर स्वच्छता दीदियों को दें। नगर निगम घर-घर डस्टबिन बांट रहा है। डस्टबिन का उपयोग करें और आसपास स्वच्छता

बनाए रखें। महापौर ने कहा कि पाठशाला में बच्चों और युवाओं का सुबह से ही उत्साह देखने को मिला। ऐसा लगा कि आज बच्चे ही माता-पिता को उठाकर पाठशाला में लाए हैं। लोगों से मिले सुझावों पर अमल कर अगले सप्ताह व्यवस्था

और बेहतर की जाएगी।

योग से शुभारंभ, जुम्बा तक चला उत्साह

पाठशाला का शुभारंभ पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास के बच्चों के योग प्रदर्शन से हुआ। चौपाटी के अंदर-बाहर तीरंदाजी, बैडमिंटन, कराटे, सांप-सीढ़ी और पिट्ठुल जैसे खेल हुए। नन्हे बच्चों ने झूला, फिसल पट्टी का आनंद लिया और चित्रकारी में कला दिखाई। महापौर ने निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा व पाषर्दों के साथ बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

बॉडी टेक जिम व रिदम रिवॉल्यूशन ग्रुप के साथ लोगों ने संगीतमय जुम्बा डांस किया। इंडियन टीवीएस कंपनी ने विभिन्न खेलों के विजेताओं को पुरस्कार दिए। इस दौरान महापौर मधुसूदन यादव और पार्षद मनोहर यादव ने गीत भी प्रस्तुत किए।

कई संस्थाओं का रहा सहयोग

पाठशाला को सफल बनाने में पतंजलि योग समिति, बॉडी टेक जिम, रिदम रिवॉल्यूशन ग्रुप, इंडियन टीवीएस कंपनी, ब्लड डोनर संघ, यामिनी कला केंद्र, राजनांदगांव रनर ग्रुप के अलावा हॉकी, कराटे, तीरंदाजी संघों की विशेष भूमिका रही। निगम के अधिकारी-कर्मचारी व्यवस्था में जुटे रहे। बड़ी संख्या में पार्षदों, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने परिवार सहित हिस्सा लिया।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम | याज्ञवल्क्य मिश्रा

ऑनरेबल सर

एक अफवाह ने गजब की धमा चौकडी मचाइ है। अफवाह ये ? है कि राज्य की बेहद महत्त्वपूर्ण एक संस्था अपने मौजूदा संस्था प्रमुख की वजह से बल्कि कहिए कि, उनकी मुख से उचारे जाने वाले शब्द वाक्य विन्यास की वजह से खूब चर्चा में रहती है, और जाहिर है ये शब्द या कि वाक्य विन्यास विचित्र विवादित और अप्रिय ही रहते हैं। हालिया दिनों अपने चैंबर में संस्था प्रमुख ने संस्था के सबसे अहम हिस्से की ही तुलना एक ऐसे पेशे से कर दी कि, जिसे नैतिक सामाजिक कानूनी किसी दृष्टि से सही नहीं माना जाता है। बल्कि इस पेशे पर पीटा एक्ट जैसी धारा प्रभावी हो जाती है। अफवाह है कि, जब संस्था प्रमुख ने विचित्र विशेषण से नवाजा तो चैंबर में मौजूद प्रतिनिधि मंडल के एक सदस्य ने जमकर प्रतिरोध किया। लेकिन बात बाहर नहीं आई क्योंकि संस्था और संस्था प्रमुख के पद का लिहाज करना था।जाहिर है कि जो इस कुर्सी पर बैठा है उस व्यक्ति का लिहाज करना इस मौन का सबब नहीं है। अफवाहबाज ने कहा कि, लोग इस पूरे मामले को लेकर शशि थरुर का बहुचर्चित कोट याद कर रहे हैं। शशि थरुर की यह बहुचर्चित टिप्पणी वह है जो उन्होने अक्टूबर 2018 में बैंगलूरु के लिटरेचर फेस्टिवल में की थी। अब ये कौन सी टिप्पणी थी इसके लिए गूगल कर लीजिए।

उचित समय

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि, राज्य में सुशासन बाबू की सुशासन सरकार है। यह भी सभी ? जानते हैं कि, जो भी इस सरकार में हो रहा है भले कितना भी विचित्र हो और कारण का ओर छोर ना हो उसे ही सुशासन कहते हैं। अब सरकार चिरंतन होती है।याने सदैव जीवंत, तो गूड गवर्नेंस भी लगातार होता है।राज्य के हेड ऑफ फॉरेस्ट के पद के लिए डीपीसी होनी थी। सब तय हो गया था, याने कागज पत्तर वरीयता सूची सब कुछ।बस बैठक होती और फाईल रवाना हो ले की। लेकिन एन वक्त पर सुशासन हुआ और डीपीसी टल गई। अफवाह है कि, किसी विशेष को बनाने के फेर में डीपीसी टल गई।अफवाहबाज बता रहे हैं कि, किसी ने भी सीएम साहब को यह नहीं बताया है कि जिसके लिए दिल्ली के एक नेताजी लॉबिंग कर रहे हैं, वो अफसर हेड ऑफ फॉरेस्ट की पात्रता ही नहीं रखता। हां ये जरुर है कि यदि ये डीपीसी मई के बजाय जून में हुई तो वह बंदा पात्रता की लिस्ट में शामिल रहेगा। वैसे सीएम साहब को यह भी किसी ने नहीं बताया होगा कि, जिसके फेर में डीपीसी टाली गई वो बंदा पिछली सरकार में जंगल के भीतर नरवा गरुआ घुरुआ बाड़ी के नाम पर जाने कितने लाख करोड़ का मोर नचा चुका है। बाकी यह तो है ही कि, डीपीसी टलने से ठीक भी है अब जो सरकार हेड ऑफ फोर्स तय नहीं कर रही हो, वो हेड ऑफ फॉरेस्ट के लिए काहे परेशान हो। सुप्रीम कोर्ट की तारीख आती है तो हलचल जरुर होती है, जैसे अभी 19 मई की तारीखहै। मगर सुशासन है ये तारीख भी बीत जाएगी। बहरहाल सहाफी को पांचवे माले से साहब ने समझाया है - "लिसन जर्नलिस्ट, द गवनर्मेंट टेक्स एवरी डिसीजन एट द अप्रोप्रियेट टाइम, एंड इट इज द गवनर्मेंट अलोन दैट डिसाइड्स व्हाट द अप्रोप्रियेट टाइम इज।"

मिसरी भईया

कमिश्नरी वाले मिसरी भईया मस्तमौला इंसान हैं। पढ़ने लिखने के शौकीन हैं तो बातों का अर्थ भी वृहद और विशिष्ट होता है।मिसरी भईया कमिश्नरी में व्यस्त रहते हुए भी जिस तसल्लीबख्श अंदाज में रहते हैं तो सहाफी ने उनसे पूछ लिया कि सर बताओ कौन सा ताबीज बंधवाया है आपने। मिसरी भईया मुस्कुरा कर बोले -"सब भगवान की कृपा है।"सहाफी ने पूछा -हां वो तो ठीक है लेकिन बजट का ठिकाना नहीं है, संसाधन का पता नहीं है, सिपाही है नहीं और टीआई साहबान का बस चले तो आज खुद अपना ट्रांसफर ग्रामीण या किसी दूसरे रेंज करा के रेंग देंगे, कैसे होगा मिसरी भईया फिर मुस्कुराहट के साथ लस्सी आगे बढ़ाते हुए बोले -देखो, ऐसा है मगर वैसा नहीं जैसा तुम बता रहे हो। सिस्टम बन रहा है सब एडजेस्ट होगा, थोड़ा तो ? वक्त लगता है। देखो लॉ एंड ऑर्डर में सब कितना बेहतर है, और देखो भगवान की तो खैर कृपा है ही।" सहाफी ने आखिरकार रवानगी ली। पर वो अटका रहा भगवान की कृपा शब्द पर। बाद में सहाफी को एक वरिष्ठ ने समझाया -"देखो जब सब कुछ भगवान भरोसे हो तो उसे भगवान की कृपा कहते हैं।"

व्हीव्हीआईपी जिले में

सत्ता समीकरण के हिसाब से व्हीव्हीआईपी जिले में भाई साहब लोग की पार्टी में व्यवस्था अनुशासन और कार्यकर्ता का मानस नाम के तीन मटके फूट रहे हैं और इसकी प्रतिक्रिया में लेटर बम भी फूट रहे हैं। इस जिले में फिर कुछ ऐसा हो गया है जिससे बवाल टंटा हो गया है। मसला ये है कि जिले में चिकित्सा प्रकोष्ठ की कार्यकारणी जारी कर दी गई है, इस कायर्कारणी को लेकर विचार विमर्श ही नहीं हुआ सर्वसम्मति तो दूर की कौड़ी है। बवाल बढ़ा तो मसला ठाकरे परिसर पहुंच था। वहां बड़े भाई साब ये जानकर चौंक गए कि प्रदेश को ना सूचना ना अनुमोदन तो लिस्ट जारी कैसे हुई। अफवाह है कि, बड़े भाई साब विकट गुस्सा हैं क्योंकि उसी जिले में एक और कायर्कारणी इसी तर्ज पर जारी हो गई थी और तब कड़ी फटकार लगा कर कहा गया था आगे से ऐसा नहीं होना चाहिए। पर कांड फिर हो गया है।

सुशासन महीना में धरना

बीजेपी में होता है डिसिप्लिन। अब होने को तो ये भी होता है कि कभी कैडर वाली इस पार्टी में फैसला नीचे से उपर जाता था, लेकिन समय बदला। मोदी केंद्रित बीजेपी में अब फैसला उपर से नीचे आता है और उसे ही कार्यकर्ता का फैसला माना जाता है। जो ना माने उसके लिए डिसिप्लिन है। पर इसमें हो जाता है भड़भंग। जैसे कि एक निगम में हुआ है।यहाँ पंगा आयुक्त से चल रहा है। निगम की सामान्य सभा में सर्वसम्मति से आयुक्त हटाओ प्रस्ताव पास कर दिया गया। अब वो हटे नहीं, इसके पीछे आयुक्त साहब का अपना गुणा गणित जैक जुगाड़ तो जो भी था वो है ही। सामान्य सभा का वह प्रस्ताव ही उपर नहीं गया, बजट का जरुर चला गया। कार्यकर्ता कहिए या सुशासन सरकार के पाषर्दों को जब पता चला तो वो जोर बिदक गए। वे इसलिए भी बिदके क्योंकि इन नाराज पाषर्दों ने पूरा मसला अपनी सरकार याने सुशासन सरकार को बताया था। लेकिन इनकी खुद की सरकार में ठेंगे से कुछ ना हुआ। ग़ुस्सा गुसाईं हुए पाषर्दों ने सड़क पर धरना ठोक दिया। ये धरना उस वक्त हुआ जबकि खुद सीएम का उड़न खटोला राज्य में सुशासन देखने उड़ रहा था। अब इस धरने से इज़्ज़त का लटोरी होना तय होते देख संगठन ने डिसिप्लिन का डोज दे दिया और कहा सुशासन तिहार में सुशासन सरकार के खिलाफ सुशासन वालो की पार्टी का धरना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा। अब धरना तो खैर हुआ लेकिन विपक्षी बीजेपी पार्षदों ने तोप की नाल मेयर की तरफ कर दी। लेकिन उसमें भी एक पार्षद जी ने आयुक्त मैटर पर राष्ट्र के नाम संदेश दे ही दिया। कांग्रेस के मेयर और टीम भाँप गए कि, बीजेपी कमिश्नर के खिलाफ क्यों नहीं बोल पा रही है। नतीजे में मेयर इन कौंसिल ने कलेक्टर को लेटर लिख डाला कि, सामान्य सभा में सर्वसम्मति से कमिश्नर को हटाने का फैसला हुआ था आप किसी दूसरे अफसर को ज़िम्मा दीजिए। अब बीजेपी इस लेटर के खिलाफ कुछ बोल नहीं सकती क्योंकि सामान्य सभा में सर्वसम्मति तो थी ही। इधर संगठन के उपर वाले भैयाजी लोग समझ गए हैं कि लफड़ा गंभीर है लेकिन मसला वही है कि सरकार सुशासन की है। फैसला तो उचित समय पर ही होगा।

कुर्की का लफड़ा

सहाफी से अरसे बाद बांकेलाल मिले।बांकेलाल के पास एक खबर थी और उस पर वे व्यथित थे। मसला ये ? था कि, एक्सीडेंट के मामले में रायपुर कोर्ट ने 20 लाख से उपर की राशि क्षतिपूर्ति तय की। जिस गाड़ी से एक्सीडेंट हुआ वह गाड़ी थी पुलिस महकमे की। अब क्षतिपूर्ति की राशि अदा ही नहीं हुई तो कोर्ट ने कुर्की ऑर्डर जारी कर दिया। मचकूरी कोर्ट ऑर्डर को लेकर पीएचक्यू पहुंच लिया, क्योंकि प्रतिवादी के रुप में डीजीपी पदनाम दर्ज था। आनन फानन में मसला सेटल कर मचकूरी को वापस रवाना किया गया। जब मसला सलट गया तो बांके लाल व्यथित क्यों थे ? वजह दो है पहली तो यह कि सरकारी महकमे की खासकर पुलिस विभाग की गाड़ी का बीमा कराने का लिहाज ही नहीं रखा जाता है। दूसरा यह है कि नियम कायदे का सारा लिहाज आम आदमी के लिए होता है। बांकेलाल का एक दुख और था वो ये था कि, वक्त पर पैसा कोर्ट में पटाने का प्रावधान क्यों नहीं रखते, यदि ऐसा पैसा वक्त पर पट जाए तो पीड़ितों को भी राहत होगी और साहब लोग की इज्जत का भाजी पालक नहीं होगा। लेकिन ये दुख व्यवस्था का है और व्यवस्था कहां बदलती है जो अब बदलेगी। अब सहाफी ये सवाल लेकर जरुर एक टेबल पर पहुंच गया और उसने साहब से कहा देखिए ये बीमा ना कराने का मसला तो गलत है, आप लोग सरकारी गाड़ी का कराते नहीं और आम आदमी ना कराए तो जुर्माना ठोकते और अलग से 19 का पहाड़ा उलटा क्रम में पूछते हो। साहब ने सिगरेट का भरपूर कश लेने के बाद सहाफी से कहा -लेजिसलेशन एंड लॉ फॉर द मैंगो पिपुल। विधाता के उपर विधान प्रभावी नहीं होता।"

अदृश्य को खोजोगे तो

सुशासन सरकार सुशासन तिहार मना रही है।अब इसमें हर जगह होता है समस्या निवारण शिविर।यूं सवाल है कि, जब ढाई साल से सुशासन है तो समस्या की जगह कहां है कि निवारण का शिविर तंबू लगाया जाए। लेकिन शिविर लग रहे हैं और जनता समस्या लिए भी चली आ रही है। अब सुशासन सरकार के लोग मंच पर हों और समस्या आ जाए तो करें कैसे। सब तो खैर तलाश ही रहे हैं कि सुशासन उस्ताद किधर गुलाटी मार फरार है। इस खीज में किसी शिविर में विधायक जी पटवारी को जूता मारुंगा कह रहे हैं तो कहीं पर सांसद जी अफसर को कह रहे हैं कि देश का दुर्भाग्य है कि तुम जैसे लोग नौकरी कर रहे है। एक जगह मंत्री जी ने मंच से ही एक्साईज इंस्पेक्टर को बत्ती दी कि एक बोटल खरीदने वाले के लिए नियम बताते हो और जो पेटी पेटी बेच रहे हैं उन पर चुप्पी रखते हो। एक जिले में तो मंच पर ही पार्टी के भाइ साब और कलेक्टर साहब ही भिड़ गए। पार्टी के भाइ साहब ने कहा -"एक तो यहां भीड़ नहीं है मतलब आप लोगों ने प्रचार प्रसार नहीं किया है।" कलेक्टर ने तुरंत कह दिया -"बिलकुल किया गया है, और पुरजोर किया गया है, आप ऐसे कैसे बोल रहे हैं।" इस पर भाई साहब ने कह दिया -"अरे आप क्या बात कर रहे हैं आप हमारा ही फोन नहीं उठाते है।" कलेक्टर साहब फिर बिदक गए और बोले -"कब नहीं उठा फोन.. आप कुछ भी मत बोल दीजिए।" मामला बढ़ लेता लेकिन कुछ लोगों ने कुशलता से मामला थाम लिया।

सात महीने गायब रहे आईपीएस

कुछ अलग ना कुछ विचित्र ना हो तो राज्य में सुशासन सरकार के होने का क्या ही मतलब है। अब देखिए एक आईपीएस साहब का नवंबर में ट्रांसफर हुआ। एक बार पीएचक्यू में दिखे और फिर नदारद हो लिए। अफवाह फैल गई कि साहब अपने पूर्व स्थल पर वापस चले गए हैं। लेकिन लफड़ा यह हुआ कि सात महीने बाद उसी पुरानी जगह से आवेदन आया। यह एप्लीकेशन उस आईपीएस का था जो नवंबर की लिस्ट में पुराने आईपीएस साहब की जगह पर गया था। आवेदन में लिखा कोई कि उन्हें अवकाश पर जाना है इसलिए एवजीदार चाहिए। अब जब ये आवेदन आया तो सबसे बड़े साहब का माथा ठनका कि, जब ट्रांसफर के बाद नया अफसर नवंबर में ज्वाइन कर लिया था तो यहां आने से बाद से नदारद अफसर कहां है और सात महीने से किस काम के बदले तनख़्वाह उठा रहा है।खोज खबर पता तलाश के बाद यह भी समझ आया कि सात महीने से चार्ज देना ही भूल गए थे। आनन फानन में आईपीएस साहब बहादुर को पोस्टिंग दी गई है।ये भी है कि मुख्यालय में अब यही काम तो है नहीं कि, कौन कहां है क्यों है और कैसे है यही पता करते रहें, हालाँकि ये कहा जाता है कि मुख्यालय के एक साहब बहादुर के चैंबर में केवल यही ही होता रहता है। पर खैर..

कमल हासन के रिकॉर्ड को खतरा

जबकि पीएचक्यू में आईपीएस साहब के पोस्टिंग भूलने का मामला सामने आया तो एक नेक बंदे ने चुग़ली लगाई कि, पत्रकार जी जरा डीएसपी की पोस्टिंग का भी पता कर लो। नक़्शे पर नजर फिराते वक़्त एक जिले पर नजर गई। यह निचले मध्य छत्तीसगढ़ का इलाक़ा है। यहां एक डीएसपी को आधा दर्जन प्रभार है। याने चार प्रभार और मिल जाएंगे तो वे कमल हासन की फिल्म दशावतारम की बराबरी कर लेंगे। कमल हासन की इस फिल्म में दस किरदार थे और सभी किरदार कमल हासन ने निभाए थे।

ऑपरेशन प्रहार : रायगढ़ पुलिस की कार्रवाई चार वाहनों से 14.7 टन अवैध कबाड़ जब्त

31 लाख से अधिक की संपत्ति बरामद, चालकों के पास नहीं थे वैध दस्तावेज

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

ऑपरेशन प्रहार के तहत रायगढ़ पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए तमनार चौक पर नाकेबंदी कर अवैध कबाड़ से लदे 4 माजदा वाहनों को पकड़ा। वाहनों से 14 टन 700 किलो लोहा एवं टीना कबाड़ जब्त किया गया। चारों वाहन समेत कुल 31 लाख 23 हजार 800 रुपये की संपत्ति बरामद कर आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक रामकिंकर यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम 9 मई को तमनार चौक पर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि धरमजयगढ़-घरघोड़ा क्षेत्र से अलग-अलग वाहनों में कबाड़ लोड कर पूंजीपथरा लाया जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चारों वाहनों को रोककर जांच की।

ट्रक CG 04 MR 2867 चालक पुरूषोत्तम यादव से 3.7 टन कबाड़ मिला, कीमत 88,800 रुपये। माजदा CG 14 MD 7161 चालक दीपक राम मांझी से 4 टन कबाड़ मिला, कीमत 80 हजार रुपये। माजदा CG 04 JD 7747 चालक पुनवा राम नौरंग से 3 टन कबाड़ मिला, कीमत 75 हजार रुपये। माजदा CG 11 BM 6416 चालक किशना सतनामी से 4 टन कबाड़ मिला, कीमत 80 हजार रुपये। कुल 14.7 टन कबाड़ की अनुमानित कीमत 3 लाख 23 हजार 800 रुपये आंकी गई। चारों वाहनों समेत कुल जब्ती 31.23 लाख रुपये की है।

पूछताछ में चारों वाहन चालक कबाड़ परिवहन के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। चोरी अथवा संदिग्ध संपत्ति होने के संदेह पर थाना पूंजीपथरा में धारा 35(क)(ड) बीएनएसएस एवं 303(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी में पुरूषोत्तम यादव, 30 वर्ष, धरमजयगढ़, रायगढ़, दीपक राम मांझी, 23 वर्ष, पालीडीह, पत्थलगांव, जशपुर, पुनवा राम नौरंग, 50 वर्ष, कुटराबोर, जैजैपुर, सक्ती, किशना सतनामी, 26 वर्ष, नंदेली भांठा, सक्ती शामिल हैं।

इस कार्रवाई डीएसपी सुशांतो बनर्जी के मार्गदर्शन में निरीक्षक रामकिंकर यादव के नेतृत्व में हुई। टीम में सहायक उप निरीक्षक उमाशंकर विश्वाल, प्रधान आरक्षक विनीत तिर्की, गजेन्द्र पैंकरा और आरक्षक कीर्तन यादव की अहम भूमिका रही।

एसएसपी बोले- अवैध कारोबार बर्दाश्त नहीं

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि ऑपरेशन प्रहार के तहत चोरी के माल, अवैध कबाड़ कारोबार और संदिग्ध संपत्ति के परिवहन पर लगातार कार्रवाई जारी है। ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने उद्योगों, व्यापारियों और नागरिकों से संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

आकाशगंगा मार्केट सुपेला में पुलिस का जनमित्र कार्यक्रम, नशा व ठगी से बचने के बताए तरीके

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

थाना सुपेला पुलिस ने शनिवार को आकाशगंगा मार्केट में जनमित्र कार्यक्रम आयोजित कर सब्जी व्यापारियों, मजदूरों और वाहन चालकों को नशा, साइबर अपराध और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में टोल फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर शिकायत प्रक्रिया समझाई गई।

सीएसपी और थाना प्रभारी रहे मौजूद : नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी और थाना प्रभारी विजय यादव की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में नशे से होने वाले दुष्परिणाम, साइबर ठगी से बचाव के उपाय और यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी गई।

इन नंबरों पर करें शिकायत : पुलिस ने बताया कि नशे से संबंधित शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1933, साइबर फ्रॉड के लिए 1930 और यातायात नियमों के उल्लंघन की सूचना के लिए 1033 पर संपर्क किया जा सकता है।

हेलमेट-सीट बेल्ट जरूरी : वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने की समझाइश दी गई। नागरिकों से क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

पुलिस-जनता में समन्वय पर जोर : पुलिस ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्था सुदृढ़ करना और अपराध नियंत्रण है। दुर्ग पुलिस ने लोगों से नशा, साइबर अपराध के प्रति जागरूक रहने और सुरक्षित समाज निर्माण में सहयोग की अपील की।

यातायात पुलिस की कार्रवाई : सुपेला संडे मार्केट में ठेले हटाए, 58 वाहनों पर ई-चालान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क पर जाम और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दुर्ग यातायात पुलिस ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया। सुपेला संडे मार्केट क्षेत्र में सड़क घेरकर व्यवसाय कर रहे ठेला संचालकों को हटाकर व्यवस्थित स्थान पर शिफ्ट किया गया। वहीं इंदिरा मार्केट और सिविक सेंटर में नो पार्किंग में खड़े 58 वाहनों पर ई-चालान की कार्रवाई की गई।

2529 वाहनों पर हो चुकी कार्रवाई

यातायात पुलिस ने बताया कि अनावश्यक दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुगम यातायात के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2026 में अब तक कुल 2529 वाहन चालकों पर नो पार्किंग की कार्रवाई की जा चुकी है। गत रात्रि इंदिरा मार्केट एवं सिविक सेंटर क्षेत्र में सफेद लाइन के बाहर दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वाले 58 वाहन चालकों पर नो पार्किंग धाराओं के तहत ई-चालान किया गया।

अभियान से संडे मार्केट में व्यवस्था सुधारी

10 मई को सुपेला संडे मार्केट में विशेष अभियान चलाया गया। सड़क पर अव्यवस्थित रूप से ठेला-दुकान लगाने वालों को सड़क खाली कराकर रोड किनारे उपलब्ध स्थान पर व्यवस्थित रूप से व्यवसाय करने के निर्देश दिए गए, ताकि आम नागरिकों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी न हो।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने और सड़क पर अतिक्रमण व अव्यवस्थित पार्किंग से बचने की अपील की है। इससे सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100